वर्ष : 16 ❖ अंक : 348 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

# अनुगामिनी

गंगटोक
सोमवार, 01 अगस्त 2022

2 अगस्त से तिरंगे को बनाएं अपनी प्रोफाइल पिक्चर: पीएम मोदी 3

भारतीय महिलाओं ने पाकिस्तान को 8 विकेट से रौंदा 7

### राज्यपाल की पुस्तकों का पटना में विमोचन

## बीजेपी की विचारधारा के पर्याय हैं गंगा बाबू : नड्डा

**अनुगामिनी का.सं.**

गंगटोक, 31 जुलाई । सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद ने बिहार की राजधानी पटना के बापू सभागार में अपनी तीन पुस्तकों 'स्मृति साक्ष्य- मेरा जीवन अविरल गंगा', 'गंगार्पण' एवं 'आज़ादी का अमृत महोत्सव-मेरे 75 संस्मरण' का विमोचन किया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, बिहार के राज्यपाल फागू चौहान, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोल), बिहार मंत्रिमंडल के सदस्य, सिक्किम के मंत्रीगण भी उपस्थित थे।

इस दौरान पुस्तक के लेखक और राज्यपाल गंगा प्रसाद ने कहा कि यह पुस्तक आजादी के बाद से सामाजिक, राजनीतिक परिवर्तनों के अलावा आपातकाल जैसी घटनाओं को समझने के लिए उनके संस्मरणों व अनुभवों पर एक प्रामाणिक दस्तावेज है।

वहीं, इस पुस्तक का विमोचन करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि मेरा यह सौभाग्य है कि मुझे गंगा बाबू की पुस्तक के बारे में कुछ कहने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि जब में गंगा बाबू की बात करता हूं तो मैं हमेशा इस बात का स्मरण करता हूं कि मैं अपने बाल काल से आज तक उनके बातों को कितना प्रतिशत अपने जीवन काल में उतारा है। इसके आगे नड्डा ने कहा मुझे आज भी याद है कि जब भी कोई समस्या होती थी तो लोग सबसे पहले गंगा बाबू के पास अपनी समस्या लेकर पहुंचते थे और गंगा बाबू बखूबी उन समस्याओं का हल निकाल कर रख देते थे। उन्होंने कहा कि गंगा बाबू भाजपा के विचारधारा का पर्याय हैं।

इसके आगे उन्होंने कहा कि मैं इसके लिए सिर्फ गंगा बाबू ही नहीं बल्कि उनकी पत्नी को भी धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने आपातकाल के दौरान जनसंघ के नेतायों को अपने यहां पर रखकर खुद से उनका भोजन तैयार कर और अपने घर में हमारी बैठक आयोजित करवा कर हमारे विचारधारा को बढ़ाने में अपना सहयोग दिया था। उन्होंने कहा कि गंगा बाबू की सादगी और कर्म निष्ठा आज के कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

मुख्यमंत्री गोले ने राज्यपाल को एक आदर्श अभिभावक बताते हुए कहा कि उनकी छत्रछाया में सिक्किम प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि जिस मेहनत और लगन से उन्होंने इस मुकाम को हासिल किया है, सभी के लिए अनुकरणीय है।

राज्यपाल ने 'स्मृति साक्ष्य' के विमोचन में साक्षी बनने आए लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

अपने भाषण के दौरान मुख्यमंत्री गोले ने श्रोताओं से कहा कि बिहार और सिक्किम राज्यों के बीच बहुत अच्छे मैत्रीपूर्ण संबंध हैं और इस संबंध को मजबूत करने के लिए महान कदम उठाए जाने चाहिए।

## सिक्किम की राजनीति के लिए खतरनाक हैं दलबदलू नेता : चामलिंग

**अनुगामिनी का.सं.**

गंगटोक, 31 जुलाई । एसडीएफ अध्यक्ष तथा पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग ने एसडीएफ पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र की कमी के आरोपों को खारिज किया है। ज्ञात हो कि पार्टी छोड़ने वाले नेता इस प्रकार का आरोप लगाते रहे हैं। इससे संबंधित सवाल के जवाब में पवन चामलिंग ने सभी आरोपों का खंडन किया। उनसे पूछा गया था कि 2019 में चुनावी हार के बाद एसडीएफ पार्टी छोड़ने वाले लगभग हर वरिष्ठ नेता का कहना है कि एसडीएफ पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र नहीं है। इस आलोचना पर आप क्या प्रतिक्रिया देंगे?

इसके जवाब में पवन चामलिंग ने कहा कि ऐसे नेताओं से सावधान रहने की जरूरत है। मैं एसडीएफ पार्टी को इन नेताओं के पार्टी छोड़ने पर बधाई देता हूं साथ ही एसकेएम को भी ऐसो नेताओं से सावधान करता हूं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि लेकिन अधिक गंभीर बात यह है कि मेरे पूर्व पार्टी सहयोगियों के इस तरह के बयान मुझे गहराई से सोचने पर मजबूर करते हैं।

पवन चामलिंग ने पूर्व एसडीएफ नेताओं के आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि जब एसडीएफ पार्टी की सरकार थी तो ये यही वरिष्ठ नेता एसडीएफ पार्टी और 25 साल तक हमारी उपलब्धियों की बिना रुके प्रशंसा करते थे। अब जब हम सरकार में नहीं हैं तो उन्होंने यू-टर्न ले लिया है और कह रहे हैं कि मैं गलत नेता हूं। लोग तय करेंगे कि सच क्या है। अतीत में उन्होंने अपने निजी लाभ के लिए मेरी प्रशंसा की और अब वे मुझे एक बार फिर अपने निजी लाभ के लिए आलोचना कर रहे हैं। वे पहले क्रम के पाखंडी हैं। दुख की बात है कि सिक्किम में आज 2019 में हमारी चुनावी हार के बाद कई तथाकथित नेता पवन चामलिंग को अपना दुश्मन बना रहे हैं। अगर वे मंत्री और अन्य महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए हमें छोड़ देते, तो मैं उन्हें सलाम करता।

पूर्व मुख्यमंत्री चामलिंग ने कहा कि अगर उन पूर्व एसडीएफ नेताओं को पता था कि पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र नहीं है और फिर भी वे पार्टी में बने रहे, तो वे केवल समझौता करने वाले और निराश हारे हुए लोग थे, वे नेता नहीं थे। उनका समझौता अक्षम्य रूप से दुर्भाग्यपूर्ण और अत्यधिक निंदनीय था। उन्हें इतना लालची होने के लिए खुद की निंदा करनी चाहिए कि वे अपने निजी लाभ के लिए चुप रहे। वे केवल कायर थे, जिनमें सच बोलने का साहस नहीं था और वे लालच से लोगों और एसडीएफ पार्टी द्वारा दिए गए पदों का आनंद लेते थे।

एसडीएफ नेताओं के रूप में उन्हें जो लाभ मिले, उसके लिए उन्हें अपनी आत्मा बेचने में शर्म कैसे नहीं आती? वे राजनीति के नाम पर गूंगी और लालची आत्मा होने और अपने नेता होने का नाटक करने के लिए लोगों से माफी क्यों नहीं मांगते?

पवन चामलिंग ने कहा कि ऐसे नेता जब एसडीएफ पार्टी को छोड़कर दूसरी पार्टी में जाते हैं, तो वे अपने साहस की कमी, अज्ञानता और लालच को अपने साथ ले जाते हैं। दूसरे पक्ष में वे अपने निजी फायदे के लिए सौदेबाजी भी करेंगे। यदि वरिष्ठ नेताओं के रूप में, वे आंतरिक लोकतंत्र की कमी के बारे में अपनी चिंता व्यक्त नहीं कर सके, तो एक नई पार्टी में उनकी क्या दुर्दशा होगी जहां उन्हें अभी-अभी नीलाम या समायोजित किया गया है। क्या यह स्पष्ट नहीं है कि वे अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए वहां और अधिक चुप रहेंगे और अंत में उस पार्टी को कहीं और छोड़ देंगे जहां उन्हें लाभ हो सकता है? क्या वाकई सिक्किम को उनके बेशर्म बयान सुनने में अपना समय बर्बाद करना चाहिए?

उन्होंने कहा कि क्या वे अलोकतांत्रिक रूप से एसडीएफ शासन के दौरान सिक्किम सरकार में एसडीएफ पार्टी, कैबिनेट और कई अन्य सरकारी कार्यालयों में जिम्मेदारी के सर्वोच्च पदों पर थे? अगर एसडीएफ पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र नहीं था, तो पार्टी ने उन्हें इतने जिम्मेदार पदों को कैसे सौंप दिया? मुझे ऐसा लगता है कि वे अपने मालिक या खरीदार को प्रभावित करने के लिए इस तरह के कट्टरपंथी बयान देते हैं जिन्होंने उनकी आत्मा के लिए अधिक कीमत चुकाई। ऐसी मान्यता है कि आप पवन चामलिंग की जितनी अधिक आलोचना करेंगे आपको एसकेएम पार्टी से उतना ही अधिक लाभ होगा। उनकी एकमात्र रोजगार योग्यता और साख मुझे अपमानित करने और उस राजनीतिक दल को बदनाम करने की क्षमता में निहित है जिसने उन्हें सब कुछ दिया।

पवन चामलिंग ने कहा कि ये अस्थिर, फिसलन भरे, धूर्त और विश्वासघाती नेता सिक्किम के युवाओं और आने वाली पीढ़ियों के लिए विनाशकारी मिसाल कायम कर रहे हैं। वे सिक्किम की राजनीति की नींव को कमजोर कर रहे हैं और राजनीतिक माहौल को दूषित कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि सिक्किम के युवा और बड़े लोग उनके इरादों और चालाकी को परखेंगे और उन्हें सिक्किम की राजनीति के कबाड़खाने में फेंक देंगे। एसडीएफ को इन फिसलन भरी आत्माओं के बिना नए सिरे से शुरू करने और एक नई यात्रा शुरू करने का एक और मौका दिया गया है। हम, पुराने समय के वफादार एसडीएफ और युवा मिलकर सिक्किम की राजनीति में एक नई ताकत बनेंगे।

## सीएम ने की बिहार के राज्यपाल से मुलाकात

**अनुगामिनी का.सं.**

गंगटोक, 31 जुलाई । राज्य के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने आज पटना में बिहारी के राज्यपाल फागू चौहान से राजभवन में सौहार्दपूर्ण बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री गोले के साथ राज्य के शहरी विकास मंत्री अरुण उप्रेती, ऊर्जा एवं श्रम मंत्री एमएन शेरपा भी मौजूद थे।

बताया जाता है कि बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा आयोजित बैठक में भाग लेने के लिए राज्य के मुख्यमंत्री गोले शुक्रवार शाम पटना पहुंचे। बैठक में मुख्यमंत्री के साथ राज्यपाल गंगा प्रसाद भी शामिल हुए। बैठक में मुख्यमंत्री गोले ने सिक्किम सरकार के औद्योगिक नीति ढांचे पर प्रकाश डाला और बिहार से निवेशकों को आमंत्रित किया। उन्होंने निवेशकों की यथासंभव मदद करने का भी वादा किया है।

## म्यूनिख में भारत के महावाणिज्य दूत से मंत्री लोकनाथ शर्मा ने की मुलाकात

**अनुगामिनी का.सं.**

गंगटोक, 31 जुलाई । राज्य के कृषि और बागवानी मंत्री लोकनाथ शर्मा ने 28 जुलाई को म्यूनिख में भारत के महावाणिज्य दूत मोहित यादव से मुलाकात की।

बैठक के दौरान महावाणिज्य दूत ने कहा कि सिक्किम में जैविक खेती और पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। कोविड-19 महामारी के बाद, जर्मन आबादी ने वैकल्पिक दवाओं और जैविक खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन करना शुरू कर दिया है। जर्मनी में मसालों जैसी जिंसों के बाजार में अपार संभावनाएं हैं।

उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि सिक्किम को नूर्नबर्ग, जर्मनी में बायोफैच के अगले संस्करण में सभी उपलब्ध वस्तुओं के साथ भाग लेना चाहिए और वाणिज्य दूतावास संभावित आयातकों की पहचान करने में सहायता करेगा। यह सुझाव दिया गया कि बायोफैच के अगले संस्करण में भागीदारी को सक्षम करने के लिए इस बीच सभी प्रमाणन अनुपालनों को भी संबोधित किया जाए।

महावाणिज्य दूत ने यह भी उल्लेख किया कि जर्मन स्कीइंग जैसे साहसिक खेलों और ट्रेकिंग और साइकिलिंग जैसी अन्य गतिविधियों में भी गहरी रुचि दिखाते हैं और इसलिए इसमें बहुत बड़ी क्षमता है जिसका दोहन करने की आवश्यकता है। यादव ने कहा कि वाणिज्य दूतावास उन कंपनियों की पहचान करने में मदद कर सकता है जो राज्य में इन गतिविधियों को विकसित कर सकती हैं। सहयोग के अन्य क्षेत्र शिक्षा, कौशल विकास और निवेश में हो सकते हैं। जर्मनी में शिक्षा मुफ्त है और इस क्षेत्र में बहुत बड़ा अवसर है जिसे तलाशने की जरूरत है।

महावाणिज्य दूत ने कहा कि सिक्किम सरकार और जर्मन पक्ष के संबंधित हितधारकों के बीच एक आभासी बैठक की व्यवस्था की जा सकती है।

लोकनाथ शर्मा ने कहा कि वह संबंधित विभागों के साथ मामलों को आगे बढ़ाने के लिए चर्चा करेंगे और आश्वासन दिया कि उनकी सरकार सिक्किम से जैविक वस्तुओं का व्यापार शुरू करने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी।

## सरकार ने शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए कई महत्वपूर्ण कार्य : खालिंग

**अनुगामिनी का.सं.**

गंगटोक, 31 जुलाई । आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आज इंदिरा बाईपास पर पौधरोपण एवं जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इंदिरा बाईपास विकास समिति के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव जैकब खालिंग मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में अपर बर्तुक निर्वाचन क्षेत्र के एसकेएम पार्टी प्रभारी एनबी गुरुंग थे। आयोजन समिति के मुख्य सलाहकार सोनम भूटिया की अध्यक्षता में कार्यक्रम में विभिन्न प्रजातियों के पौधे भी रोपे गए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जैकब खालिंग ने तीन साल में मौजूदा सरकार की उपलब्धियों की संक्षिप्त जानकारी दी। आयोजन समिति द्वारा रखी गई विभिन्न मांगों पर बोलते हुए उन्होंने सुझाव दिया कि जब तक वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की जाती तब तक बाईपास रोड के किनारे लगे गैराज को नहीं हटाया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि पहले सभी से सलाह मशविरा करने के बाद ही फैसला लिया जाएगा। उन्होंने संभावना जताई कि क्षेत्र से गैराज हटा दिए जाने पर कई लोग बेरोजगार हो जाएंगे। इस तरह इस क्षेत्र से गैराज हटाने के बाद उन्होंने सड़क को सुंदर बनाने और फैशन स्ट्रीट बनाने की आयोजन समिति की मांग का स्वागत करते हुए कहा कि इन सभी मुद्दों पर चर्चा करना जरूरी है।

जैकब खालिंग ने आश्वासन दिया कि आज सौंपी गई सभी मांगों को मुख्यमंत्री को अग्रसारित कर दिया जाएगा। सड़क पर कब्जा मामलों में संबंधित एजेंसियों से तत्काल कार्रवाई का उन्होंने निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अगर सड़क संकरी होगी तो लोगों को परेशानी होगी, इसलिए लोगों को इस मुद्दे के प्रति जागरूक होना समय की मांग है। उन्होंने आयोजन समिति द्वारा उन पेड़ों को काटने और छोटे पेड़ लगाने की मांग का स्वागत किया क्योंकि बाईपास के किनारे बड़े पेड़ खतरे का संकेत दे रहे थे और बताया कि वन विभाग इस मामले में पहल करेगा। लेकिन उन्होंने यह भी बताया कि राज्य के नकारात्मक विचारों वाले लोग दार्जिलिंग में काटे गए पेड़ों की तस्वीरें दिखाकर इसे सिक्किम में काटे गए पेड़ों की तस्वीर बताकर सरकार को बदनाम कर रहे हैं।

जैकब खालिंग ने कहा कि मौजूदा सरकार ने तीन साल के दौरान शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण काम किया है। राज्य के सभी अस्पतालों में आवश्यक उपकरण के साथ-साथ आवश्यक बुनियादी ढांचे को विकसित किया गया है। अस्पतालों में अच्छे डॉक्टरों की नियुक्ति की गई है। लोगों को उपचार के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ रही है।

वहीं, आयोजन समिति के मुख्य संरक्षक एवं पार्षद कला राई ने इस आयोजन के मुख्य लक्ष्यों एवं उद्देश्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बाईपास क्षेत्र में उत्पन्न होने वाली समस्याओं के बारे में विस्तार से बताया। इस मौके पर कोविड-19 के दौरान सक्रिय भूमिका निभाने वाली नम्रता तमांग का अभिनंदन किया गया। इस मौके पर पार्षद कला राई ने टैक्सी स्टैंड का उद्घाटन किया। स्टैंड में 6 वाहन रखे जाएंगे और उक्त वाहन एसटीएनएम अस्पताल के लिए सेवा प्रदान करेंगे।

## गोपाल छेत्री पुलिस हिरासत में

**अनुगामिनी का.सं.**

गंगटोक, 31 जुलाई । सिक्किम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोपाल छेत्री को गंगटोक सदर पुलिस ने पूर्व विधायकों के खिलाफ असंवैधानिक तथा अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करने के आरोप में हिरासत में लिया है। पुलिस सूत्रों से पता चला है कि फिलहाल उनसे पूछताछ की जा रही है।

बता दें कि सिक्किम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोपाल छेत्री के खिलाफ 30 जुलाई को पूर्व विधायक संघ द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। एक पुलिस सूत्र के अनुसार उक्त प्राथमिकी के आधार पर सदर पुलिस ने आज उन्हें हिरासत में ले लिया। पूर्व विधायक संघ की ओर से अध्यक्ष डीबी ठटाल द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि सिक्किम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोपाल छेत्री ने 28 जुलाई को प्रेस कांफ्रेंस में पूर्व विधायकों को नपुंसक कहा था। इससे संबंधित खबरें विभिन्न सोशल मीडिया और समाचार पत्रों में प्रकाशित हुई हैं। यह उल्लेख करते हुए कि उनका यह बयान असंवैधानिक और अपमानजनक हैं, उन्होंने मांग की थी कि उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जानी चाहिए।

## जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों से आतंकवाद का सफाया : उपराज्यपाल

श्रीनगर, 31 जुलाई (एजेन्सी)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को कहा कि कई इलाकों को आतंकवाद से मुक्त कर दिया गया है, जबकि केंद्र शासित प्रदेश से इसे पूरी तरह खत्म करने के प्रयास जारी हैं।

गांदरबल जिले के पुलिस प्रशिक्षण स्कूल (मनीगाम) में 538 रंगरूटों की पासिंग आउट परेड को संबोधित करते हुए सिन्हा ने कहा, 'कई क्षेत्रों को आतंकवाद से मुक्त कर दिया गया है और इसका इकोसिस्टम पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है, जबकि आतंकवाद को पूरी तरह से खत्म करने के प्रयास जारी हैं।'

सिन्हा ने कहा कि आतंकवाद को जड़ से खत्म करने की जरूरत है, क्योंकि समाज में यह खतरा एक कैंसर के रूप में उभर रहा है।

'आतंकवाद एक सबसे बड़ी चुनौती के रूप में उभर रहा है और अगर इसे समय पर नहीं निपटाया गया, तो यह एक कैंसर का रूप ले सकता है। उग्रवाद को खत्म करने के लिए, आपको इसकी सभी शाखाओं और इसे समर्थन देने वाले उपकरणों को नष्ट करने की आवश्यकता है।'

'अन्य राज्यों में, जम्मू-कश्मीर की तुलना में पुलिस के लिए चुनौतियां कम हैं।'

'यहां पुलिस को कानून-व्यवस्था बनाए रखनी है, सामाजिक अपराधों से निपटना है।'

'पुलिस बल तकनीकी और सोशल मीडिया प्रचार का मुकाबला करने की कला उसी माध्यम से तेजी से सीख रही है।'

सिन्हा ने कहा, 'हमें ऑनलाइन माध्यमों का उपयोग करके सोशल मीडिया के प्रचार का मुकाबला करना है और पुलिस बल उस मोर्चे पर कड़ी मेहनत कर रहा है।'

# बीजेपी के अलावा मिट जाएंगी सभी पार्टियां : नड्डा

पटना, 31 जुलाई (का.सं.)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि अपनी विचारधारा और संगठन की बदौलत भविष्य में एकमात्र राजनीतिक दल भाजपा ही बचेगी। बाकी सब पार्टियां मिट जाएंगी। विचारधारा नहीं रखने की वजह से ही आज भाजपा के विरोध में लड़ने वाली कोई राष्ट्रीय पार्टी नहीं रह गई है। अगर विपक्ष कोशिश भी करे तो उनको हम तक पहुंचने में 40 साल लग जाएंगे।

नड्डा रविवार को भाजपा के प्रदेश मुख्यालय के अटल सभागार में वर्चुअल के माध्यम से 16 जिलों में बने भाजपा के नए जिला कार्यालय के उद्घाटन और सात जिलों में बनने वाले जिला कार्यालय के शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे।

नड्डा ने कहा कि पूरे देश में वंशवाद के खिलाफ लड़ाई भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। भाजपा शुरू से एक विचारधारा को लेकर चली है। आज भी हम नेशनल आउटकम विथ रीजनल एस्पीरेशन (क्षेत्रीय आकांक्षा के साथ राष्ट्रीय परिणाम) को लेकर चलते हैं। जबकि इसको नहीं समझने की वजह से कांग्रेस देश से उखड़ती चली गई। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यूएन में भी जाते हैं तो दक्षिण के किसी कवि की लिखी कविताओं का उदाहरण देना नहीं भूलते हैं। अपनी विचारधारा के बल पर ही हम दक्षिण के उन राज्यों में भी कमल खिलाएंगे।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस भी अब भाई-बहन की पार्टी बन कर रह गई है। अगर हमें परिवारवाद से लडना है तो गणतंत्र देने वाली बिहार की इस धरती को याद रखना होगा। भाजपा विकास की पर्यायवाची और गरीब-शोषितों की पार्टी है। यह विचार लोगों तक पहुंचाना होगा।

नड्डा ने कहा कि पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह की परिकल्पना से देश के 215 जिलों में भाजपा के नए कार्यालय बन गए हैं। 512 पर काम चल रहा है। हमें इनको पावरहाउस के रूप में विकसित करना होगा, जहां पर लाखों-करोड़ों कार्यकर्ताओं को तैयार किया जाए। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों से कहा कि आप सिर्फ कार्यकर्ता नहीं, विचारों के वाहक भी हैं। उन्होंने कहा कि हमें भूलना नहीं चाहिए कि सन- 74 में राजेंद्र नगर में किराए के मकान में एक कमरे से पार्टी का प्रदेश कार्यालय चलता था। आज भव्य मंदिर के रूप में सुविधाओं से सुसज्जित कार्यालय उपलब्ध हैं। आज सबसे अधिक खुशी उन लोगों को हो रही होगी, जिन्होंने दरी पर बैठ कर कभी इन कार्यालयों को चलाया था।

प्रदेश अध्यक्ष डा. संजय जायसवाल ने कहा कि हर जिले में पार्टी कार्यालय होना किसी भी पार्टी के लिए खुशी की बात होती है। 11 जिलों में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने फरवरी 2020 में ही नए कार्यालयों का उद्घाटन किया था, जबकि 16 का उद्घाटन और सात का शिलान्यास आज हुआ है। बिहार के 45 संगठनात्मक जिलों में से अब मात्र पांच जिलों में ही जमीन की खरीद नहीं होने की वजह से कार्यालय नहीं बन सका है। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद एवं रेणु देवी के अलावा केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, आरके सिंह, नित्यानंद राय और अश्विनी चौबे भी उपस्थित थे। वहीं, नीतीश सरकार में शामिल भाजपा कोटे के सभी मंत्रियों के अलावा पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी भी मौजूद थे।

# बीजेपी ने बिहार से किया 2024 लोकसभा चुनाव का शंखनाद, नरेंद्र मोदी फिर बनेंगे देश के पीएम

पटना, 31 जुलाई (का.सं.)। भाजपा के सात मोर्चों की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को बिहार की धरती से 2024 के लोकसभा चुनाव का शंखनाद कर दिया। देश भर से आए साढ़े सात सौ पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए साफ कर दिया कि नरेन्द्र मोदी फिर प्रधानमंत्री बनेंगे और भाजपा वर्तमान से ज्यादा सीटें जीतेगी।

बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री व पार्टी के मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह ने बिहार में जदयू और भाजपा के संबंधों को स्पष्ट करते हुए कहा कि भाजपा नीतीश कुमार के साथ मजबूती से खड़ी है और लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव जदयू के साथ ही लड़ेगी। अरुण सिंह ने मोर्चों के राष्ट्रीय पदाधिकारियों को अमित शाह द्वारा लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर दिए गए टास्क संबंधित जानकारी भी दी।

अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि देश के इतिहास में पहली बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार में सर्वाधिक शोषित और वंचित समाज के मंत्री हैं। इसमें पिछड़ा, अति पिछड़ा, आदिवासी और दलित समाज के मंत्री हैं। कार्यकारिणी की बैठक में दो प्रस्ताव पास किए गए। मोर्चों ने संकल्प लिया है कि अब प्रधानमंत्री की मन की बात अब सामूहिक रूप से बूथों पर एक जुट होकर सुनेंगे। द्रौपदी मुर्मू को समाज के अंतिम पायदान पर बैठे बेटी को राष्ट्रपति बनाए पर विस्तार से चर्चा की। इससे पहले दलित समाज के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद थे। अरूण सिंह ने कहा कि बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने किया। नड्डा ने मोर्चों को बूथ पार्टी को मजबूत करने का टास्क भी दिया।

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत भाजपा के मोर्चों को हर घर पर लोगों को तिरंगा लहराने के लिए प्रेरित करेंगे। 15 अगस्त तक मोर्चों की प्रदेश कार्यसमिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं, सितंबर तक जिलों की कार्यसमिति संपन्न कराने के जिम्मेदारी दी गई है। इस दौरान मंच पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय मयूख, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्यसभा सदस्य डा. समीर उरांव और बिहार भाजपा के मीडिया प्रमुख राजीव रंजन भी मौजूद थे।

# कोर्ट ने झारखंड के 3 विधायकों को सीआईडी हिरासत में भेजा

कोलकाता, 31 जुलाई (एजेन्सी)। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के पंचला में शनिवार देर शाम पश्चिम बंगाल पुलिस ने भारी मात्रा में नकदी के साथ पकड़े गए कांग्रेस के 3 विधायकों को रविवार को एक निचली अदालत ने 10 दिन की आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) की हिरासत में भेज दिया है।

झारखंड के तीन विधायक जामताड़ा से इरफान अंसारी, खिजरी (एसटी) से राजेश कच्छप और कोलेबिरा (एसटी) से नमन बिक्सल कोंगारी हैं। तीन विधायकों के अलावा, उनके साथ यात्रा कर रहे एक और व्यक्ति (जिस वाहन से नकदी जब्त की गई थी) और उसके चालक को भी 10 दिनों के लिए सीआईडी की हिरासत में भेज दिया गया। गाड़ी में जामताड़ा विधायक इरफान अंसारी का बोर्ड लगा था। उस वाहन से 49 लाख रुपये से अधिक की राशि जब्त की गई।

रविवार की सुबह सीआईडी-पश्चिम बंगाल के अधिकारियों की एक विशेष टीम पंचला थाने पहुंची, जहां तीनों विधायकों से दिन भर पूछताछ की गई कि इस बड़ी रकम के स्रोत क्या हैं। कोर्ट के आदेश के बाद सीआईडी की टीम तीन विधायकों, ड्राइवर और कार में सवार पांचवें व्यक्ति को कोलकाता के भबनी भवन स्थित सीआईडी मुख्यालय ले गई। सीआईडी के एक अधिकारी ने पुष्टि की, 'आज रात ही उनसे फिर से पूछताछ की जाएगी।'

हालांकि, तीनों विधायक अपनी पहले की बात पर अड़े हैं कि वे झारखंड में आदिवासी बहुल निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं और वे 9 अगस्त, 2022 को आगामी विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में वितरण के उद्देश्य से बुराबाजार थोक बाजार से बड़ी मात्रा में साड़ी खरीदने के लिए कोलकाता आए थे।

हालांकि, पुलिस को उनके बयान विश्वसनीय नहीं लगे, क्योंकि उनमें से कोई भी धन के स्रोतों के बारे में नहीं बता सका। इस बीच कांग्रेस इन तीनों विधायकों को पहले ही पार्टी से सस्पेंड कर चुकी है।

# बिहार में शाह और नड्डा की संयुक्त बैठक, बीजेपी नेताओं को दिया टास्क

पटना, 31 जुलाई (का.सं.)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बिहार भाजपा के प्रमुख नेताओं के साथ संयुक्त बैठक ली। बिहार के बीजेपी सांसदों, विधायकों और विधान पार्षदों की बैठक पहले हुई और उसके बाद बिहार भाजपा की कोर कमेटी शाह-नड्डा के साथ बैठी। इन मीटिंगों में दोनों शीर्ष नेताओं ने बिहार में भाजपा को और मजबूत बनाने के लिए कई टास्क सौंपे। साथ ही गुरुमंत्र भी दिए।

2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर तैयारियों में जुट जाने को भी कहा। नेताओं से कहा गया कि नेतृत्व विकसित करने के लिए सभी नेता नियमित क्षेत्र भ्रमण करें। क्षेत्र में जाएं तो आम जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ अवश्य बैठक करें। जनता के सुख-दुख से जुड़ें। केवल अधिकारियों के साथ बैठक करके राजधानी लौट जाने से नेतृत्व विकसित कतई नहीं होगा।

रविवार की शाम करीब छह बजे से पार्टी कार्यालय में अमित शाह और जेपी नड्डा ने पहले डेढ़-पौने दो घंटे सांसदों तथा बिहार विधानमंडल के सदस्यों संग बैठक की। उसके बाद कोर कमेटी भी इससे अधिक देर चली। दोनों बैठकों में शीर्ष नेताओं ने 2019 की तरह 2024 में भी बिहार में एनडीए का प्रदर्शन दोहराने के लिए जुट जाने को कहा। पार्टी की मजबूती के लिए सबको काम करने को कहा गया। घटक दलों के साथ बेहतर समन्वय बनाने की भी बात हुई।

प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर संजय जायसवाल और केंद्रीय गृहराज्यमंत्री नित्यानंद राय और दोनों डिप्टी सीएम तारकिशोर प्रसाद और रेणु देवी दोनों बैठकों में मौजूद रहे।

वहीं कोर कमेटी की बैठक में शाह-नड्डा के अलावा केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह व अश्विनी चौबे, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राधामोहन सिंह, पूर्व डिप्टी सीएम सुशील मोदी, मंत्री मंगल पांडेय, शाहनवाज हुसैन, सम्राट चौधरी, पूर्व मंत्री नंदकिशोर यादव व प्रेम समेत कुमार इसके सभी सदस्य मौजूद रहे।

अमित शाह और जेपी नड्डा ने बिहार भाजपा के नेताओं को गठबंधन धर्म निभाने और एकता का भी पाठ पढ़ाया। फालतू बयानबाजी से बचने की भी नसीहत दी। कहा कि रोज-रोज की आपसी प्रतिक्रिया से बचिए। घटक दलों के खिलाफ बयान नहीं देने को भी कहा। आपसी एकता को मजबूत करके रहने का निर्देश दिया।

# महिलाओं को दिक्कत हो तो शिफ्ट करें शराब की दुकानें : सीएम शिवराज

भोपाल, 31 जुलाई (एजेन्सी)। मध्य प्रदेश में जहां शराबबंदी को लेकर जहां पूर्व सीएम उमा भारती लगातार प्रदर्शन कर रही हैं, वहीं सीएम शिवराज सिंह चौहान केंद्र सरकार के नशामुक्त भारत अभियान में देश भर में अव्वल आने के बाद शराब नीति में संशोधन की बात कही है। सीएम शिवराज ने कहा है कि जहां भी महिलाओं को दिक्कत होगी, वहां से शराब की दुकानें शिफ्ट की जाएंगी।

सीएम शिवराज ने यह भी कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रदेश में कहीं भी अवैध शराब की बिक्री न हो। उन्होंने कहा कि जहां महिलाओं को शराब की दुकानों के संचालन में समस्या है, वहां से शराब की दुकानों को स्थानांतरित करने के लिए एक कार्य योजना बनाई जाए।

चौहान ने कहा कि ई-एक्साइज सिस्टम के साथ ट्रैक ऐंड ट्रेस सिस्टम लागू होने से राज्य में एक्साइज सेक्टर में लगातार सुधार हो रहा है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि रेवेन्यू कलेक्शन को बढ़ावा देने के लिये छोटे टैक्सपेयर्स को भरोसे में लिया जाए। उन्होंने कहा कि रेवेन्यू कलेक्शन के ऐक्शन प्लान को लागू करने के लिए इन छोटे टैक्स पेयर्स को शिक्षित भी किया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने इन्फॉर्मेशन टेक्नॉलजी के इस्तेमाल पर भी बल दिया।

अफसरों के साथ सीएम चौहान की बैठक में बताया गया कि जीएसटी के नए टैक्सपेयर्स की सुविधा के लिए वेलकम किट डिवेलप की गई है ताकि टैक्स कलेक्शन के लिए एक सिंपल और क्लीन व्यवस्था हो सके। छोटे टैक्सपेयर्स की सुविधा के लिए वॉट्सऐप बेस्ड चैट बॉक्स भी उपलब्ध है जिसके माध्यम से टैक्सपेयर्स की शंकाओं का समाधान किया जाता है। इसके साथ ही टैक्सपेयर्स की सुविधा के लिए प्रत्येक कार्यालय में हेल्प डेस्क भी स्थापित किए गए हैं। टैक्सपेयर्स को नए नोटिफिकेशन की जानकारी यूट्यूब चैनल के जरिए उपलब्ध कराई जा रही है और सभी नोटिस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन जारी किए जा रहे हैं।

# सपा सरकार में पूरा कुनबा लगाता था हर पद की बोली : ब्रजेश पाठक

लखनऊ, 31 जुलाई (एजेन्सी)। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने राजस्व लेखपाल मुख्य परीक्षा को लेकर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में हर पद की बोली लगती थी, एक-एक भर्ती में वर्षों लग जाते थे, तब भी परिणाम नहीं आ पाता था। पूरा कुनबा परीक्षा के पहले ही नौकरियों का सौदा कर लेता था। सपा सरकार का शगल युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ बन गया था।

यह बातें उन्होंने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में कहीं। उन्होंने कहा कि सपा मुखिया के मुंह से भर्ती, परीक्षा और परिणाम की बात अच्छी नहीं लगती।

युवाओं के सपने को रौंदने वालों को आज युवाओं की याद आ रही है, जिन्होंने सरकार रहते कभी युवाओं के भविष्य के बारे में नहीं सोचा। सपा सरकार में पहले तो सरकारी नौकरी के लिए भर्ती निकलती नहीं थी। युवाओं के दबाव में अगर कोई भर्ती निकल भी गई, तो उसके लिए भी युवाओं को वर्षों इंतजार करना पड़ता था।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में हर भर्ती पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता और शुचिता के साथ पूरी हुई है। एक भी भर्ती में किसी अभ्यर्थी ने भ्रष्टाचार के आरोप नहीं लगाए हैं। यह साबित करता है कि सरकार युवाओं के भविष्य को लेकर अति संवेदनशील है। राजस्व लेखपाल मुख्य परीक्षा को लेकर एसटीएफ पहले से सक्रिय थी, जिसका नतीजा है कि 21 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

डिप्टी सीएम ने कहा कि जिनके घर शीशों के हों, उन्हें दूसरे के घरों पर पत्थर नहीं फेंकने चाहिए। नकल माफिया सपा सरकार की देन हैं। पूरे शिक्षा व्यवस्था को सपा ने नकल माफिया के हाथों बेच रखा था। हमारी सपा मुखिया को सलाह है कि वह युवाओं को गुमराह करने के बजाय उन्हें सही राह दिखाएं।

# फिर होगा देश में बड़ा आंदोलन? क्या है नरेश टिकैत का किसानों के लिए इशारा

मुजफ्फरनगर, 31 जुलाई (एजेन्सी)। देश में एक बार फिर बड़ा आंदोलन होने के संकेत हैं। किसानों को तैयार रहने को लेकर इशारा मिल चुका है। भाकियू के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत एक ट्वीट के बाद से एक बार फिर आंदोलन की सुगबुगाहट शुरू हो गई। नरेश टिकैत ने ट्वीट कर रविवार को कहा कि किसानों को एक नए आंदोलन के लिए भी तैयार रहना होगा। संयुक्त किसान मोर्चा पहले ही अगले सप्ताह सात अगस्त से अग्निपथ योजना के विरोध में आंदोलन का ऐलान कर चुका है। भाकियू अध्यक्ष और राष्ट्रीय प्रवक्ता दोनों ने ही अग्निपथ योजना के बारे में तो कुछ नहीं कहा, लेकिन अगले किसान आंदोलन की ओर इशारा कर दिया है।

गांवों में भाजपा के बढ़ते प्रभाव और भाकियू से टूटकर बने नए किसान संगठन भाकियू अराजनैतिक के बढ़ते प्रभाव से टिकैत बंधु परेशान हैं। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर रविवार को धरना प्रदर्शन के दौरान भाकियू प्रवक्ता राकेश टिकैत आरएसएस के गांवों में बढ़ते प्रभाव और नए किसान संगठन पर ही तंज कसते हुए दिखे। दरअसल नौ साल पहले मुजफ्फरनगर में हुए सांप्रदायिक दंगे के दौरान कवाल कांड के बाद सचिन और गौरव की शोकसभा व सात सितंबर की बहू-बेटी सम्मान बचाओ महापंचायत के समय प्रशासन का समर्थन करना भाजपा को फायदा पहुंचा गया था। उसी समय भाजपा ने गांवों में अपनी जबरदस्त पैठ बना ली थी। बालियान खाप से ही प्रभावशाली नेता डा. संजीव बालियान भाजपा के दो बार सांसद और केंद्र में मंत्री बन गए हैं।

अग्निपथ योजना का पर्दाफाश करने के लिए, जो राष्ट्र-विरोधी और युवा-विरोधी होने के साथ-साथ किसान-विरोधी भी है। संयुक्त किसान मोर्चा 7 अगस्त से 14 अगस्त तक देशभर में जय-जवान जय-किसान सम्मेलन आयोजित करेगा। स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में संयुक्त किसान मोर्चा केंद्रीय राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी की बर्खास्तगी और गिरफ्तारी की मांग को लेकर 18 से 20 अगस्त को लखीमपुर खीरी में 75 घंटे का धरना प्रदर्शन करेगा, जिसमें किसान नेता और देशभर के कार्यकर्ता भाग लेंगे।

# झुकूंगा नहीं और पार्टी भी नहीं छोड़ूंगा : संजय राउत

मुंबई, 31 जुलाई (एजेन्सी)। शिवसेना के सांसद संजय राउत ने रविवार को दक्षिण मुंबई में स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कार्यालय में प्रवेश करने से पहले कहा कि वह झुकेंगे नहीं और न ही पार्टी छोड़ेंगे।

ईडी की एक टीम ने धनशोधन से संबंधित मामले की जांच के सिलसिले में रविवार को राउत के घर पर छापेमारी की है। राउत को भांडुप में उनके घर से ईडी कार्यालय ले जाया गया, जिसके बाहर उन्होंने पत्रकारों कहा, ''वे (ईडी) मुझे गिरफ्तार करने जा रहे हैं। मैं गिरफ्तार होने जा रहा हूं।'' उन्होंने कहा, ''झुकूंगा नहीं।''

ईडी ने राउत के खिलाफ कई समन जारी करने के बाद यह कार्रवाई की है। आखिरी समन 27 जुलाई को भेजा गया था। ईडी ने राउत को मुंबई की एक 'चॉल' के पुनर्विकास और उनकी पत्नी व 'सहयोगियों' से संबंधित लेनदेन में कथित अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन मामले में पूछताछ के लिए बुलाया था। रविवार सुबह सात बजे ईडी के अधिकारी सीआरपीएफ कर्मियों के साथ राउत के घर पहुंचे और छापेमारी शुरू की।

शाम पांच बजे ईडी कार्यालय लाए जाने के कुछ देर बाद राज्यसभा सदस्य राउत ने कोई भी गलत काम करने से इनकार किया और आरोप लगाया कि राजनीतिक प्रतिशोध के चलते उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। राउत ने ईडी की कार्रवाई के कुछ देर बाद ट्वीट किया, ''मैं बाला साहेब ठाकरे की कसम खाता हूं मैंने कोई घोटाला नहीं किया। मैं मर जाउंगा, लेकिन शिवसेना नहीं छोड़ूंगा।''

# सरकार ने मंकीपॉक्स के लिए टास्क फोर्स का किया गठन, अलग-अलग मंत्रालय के अधिकारी करेंगे साथ काम

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेन्सी)। केंद्र सरकार ने कोरोना की तरह अब मंकीपॉक्स संक्रमण को लेकर भी एक टास्क फोर्स का गठन किया है जो बीमारी की रोकथाम, जांच, उपचार और टीकाकरण को लेकर दिशा निर्देश तय करेगी। रविवार देर शाम केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि नीति आयोग के सदस्य डॉ वीके पॉल की निगरानी में पांच सदस्यीय टास्क फोर्स का गठन किया है।

इस टास्क फोर्स में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण के अलावा बायोटेक्नोलॉजी विभाग के सचिव और फार्मा से जुड़े शीर्ष अधिकारी भी रहेंगे। अलग अलग मंत्रालय से जुड़े इन अधिकारियों को एक साथ टीम में रखा गया है ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की चुनौती का सामना करने के लिए सरकारी कामकाज में देरी न हो सके।

स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि 26 जून को प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में टास्क फोर्स गठन करने का निर्णय लिया गया। इस दौरान राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) और स्वास्थ्य महानिदेशक को मंकीपॉक्स से जुड़े मामलों पर निगरानी रखने के निर्देश दिए गए।

साथ ही, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) से कहा गया है कि वे मंकीपॉक्स

संक्रमण की जांच आदि को लेकर अपने नेटवर्क में शामिल 15 प्रयोगशालाओं का इस्तेमाल कर सकते हैं।

# 2 अगस्त से तिरंगे को बनाएं अपनी प्रोफाइल पिक्चर: पीएम मोदी

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को लोगों को 2 अगस्त से अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर तिरंगे को प्रोफाइल पिक्चर के रूप में लगाने का सुझाव दिया। अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा : 'मेरा एक सुझाव है कि 2 से 15 अगस्त तक, हम सभी अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल पिक्चर में तिरंगा लगा सकते हैं।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव पहल के तहत 13-15 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

मोदी ने कहा, 'इस आंदोलन का हिस्सा बनकर 13 से 15 अगस्त तक आप अपने आवास पर तिरंगा फहराएं या अपने घर को इससे सजाएं। तिरंगा हमें जोड़ता है, देश के लिए कुछ करने की प्रेरणा देता है।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि 2 अगस्त का हमारे तिरंगे से भी विशेष संबंध है।

पीएम मोदी ने कहा, '2 अगस्त को हमारे राष्ट्रीय ध्वज को डिजाइन करने वाले पिंगली वेंकैया जी की जयंती है। मैं उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। हमारे राष्ट्रीय ध्वज के बारे में बात करते हुए, मैं महान क्रांतिकारी मैडम कामा को भी याद करूंगा। तिरंगे को आकार देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।'

प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि आजादी का अमृत महोत्सव एक जन आंदोलन का रूप ले रहा है। सभी क्षेत्रों और समाज के हर वर्ग के लोग स्वतंत्रता के 75 वर्ष मनाने की पहल में भाग ले रहे हैं।

उन्होंने 'आजादी की रेलगाड़ी, और रेलवे स्टेशन' की भी बात की। यह लोगों को स्वतंत्रता संग्राम में भारतीय रेलवे की भूमिका को समझाने का एक प्रयास है।

उन्होंने कहा, 'देश भर के 24 राज्यों में 75 रेलवे स्टेशनों की पहचान की गई है, जिन्हें बेहद आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है। इनमें कई तरह के कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। मैं स्कूल के छात्रों और शिक्षकों से आग्रह



करता हूं कि वे अपने स्कूल के छोटे बच्चों को स्टेशन ले जाएं और उन बच्चों को पूरी घटनाओं के बारे में जानकारी दे।'

पीएम मोदी ने यह भी कहा कि किसान शहद के उत्पादन में बेहतरीन काम कर रहे हैं, जिससे उनकी आय बढ़ रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'देश ने 'राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन' और 'शहद मिशन' जैसे अभियान शुरू किए, जिसके तहत किसानों ने कड़ी मेहनत की। हमारे शहद की मिठास दुनिया भर में पहुंचने लगी। इस क्षेत्र में अभी भी बहुत संभावनाएं हैं। मैं चाहता हूं कि हमारे युवा इन अवसरों से जुड़ें और लाभ उठाएं। नई संभावनाओं का एहसास करें।'

# दिल्ली के नए पुलिस कमिश्नर बने संजय अरोड़ा

**राजेश अलख**

नई दिल्ली, 31 जुलाई । गृह मंत्रालय ने रविवार को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी संजय अरोड़ा को दिल्ली पुलिस का नया कमिश्नर नियुक्त किया।

1988 बैच के तमिलनाडु कैडर के आईपीएस अधिकारी संजय अरोड़ा अब तक भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक के रूप में कार्यरत थे।

वर्तमान दिल्ली पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना का कार्यकाल 31 जुलाई को समाप्त हो गया।

सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को दिए गए एक आधिकारिक आदेश में कहा गया है, दिल्ली पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना की फेयरवेल परेड 31 जुलाई को शाम चार बजे दिल्ली के नई पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में आयोजित की जा रही है।

गुजरात कैडर के 1984 बैच के आईपीएस अधिकारी अस्थाना को उनकी सेवानिवृत्ति से ठीक चार दिन पहले जुलाई, 2021 में दिल्ली का पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया था।

इससे पहले, उन्होंने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) में विशेष निदेशक के रूप में कार्य किया। नागरिक उड्डयन सुरक्षा के महानिदेशक के रूप में कार्य करते हुए, उन्हें नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया।

# पांच साल में बहुत हुआ काम, यूपी बन चुका है एक्सप्रेस-वे प्रदेश : योगी

चित्रकूट, 31 जुलाई (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बुंदेलखंड सहित यूपी में पहले कानून-व्यवस्था की समस्या गंभीर थी। हमारी सरकार ने अपराध पर प्रभावी नियंत्रण किया है। कानून-व्यवस्था बेहतर होने से यूपी विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ा है। बीते पांच सालों में यूपी में बहुत काम हुआ है। मुख्यमंत्री ने यह बातें रविवार को चित्रकूट में भाजपा के तीन दिवसीय प्रदेश प्रशिक्षण शिविर के समापन पर सत्र में कहीं। सीएम योगी ने सुशासन की ओर बढ़ता उत्तर प्रदेश विषयक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान श्रीराम ने रामराज्य की कल्पना चित्रकूट में ही की थी, जो साकार हुई। पांच वर्ष पूर्व इस चित्रकूट में आना चुनौतीपूर्ण था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार का बुंदेलखंड के विकास पर फोकस है। बुंदेलखंड और चित्रकूट की कनेक्टिविटी को भाजपा सरकार ने बढ़ाया है। हमने बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे निर्माण की



पहली घोषणा की थी, जिसको प्रधानमंत्री राष्ट्र को समर्पित कर चुके हैं। इसके अलावा गंगा एक्सप्रेस-वे का भी निर्माण कराया जा रहा है। पांच एक्सप्रेस-वे के साथ यूपी अब एक्सप्रेस-वे प्रदेश बन चुका है। बुंदेलखंड सहित अन्य इलाकों में हर घर नल और हर घर जल के साथ तमाम अन्य योजनाएं चल रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 में प्रदेश में सरकार बनने के बाद जब पीएम मोदी से मिलने गए थे तो पीएम ने काम की शुरुआत बुंदेलखंड से करने का सुझाव दिया था। उन्होंने कहा था कि यह इलाका विकास की दृष्टि से पिछड़ा है। हमने पहला दौरा बुंदेलखंड का ही किया था। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के विकास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार का पूरा सहयोग मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने बिना नाम लिए विरोधी दलों को घेरा। उन्होंने कहा कि राजनीति मूल्य और आदर्शों की होनी चाहिए। भाजपा सिद्धांतों की राजनीति करती है। सिद्धांतविहीन राजनीति को अटलजी मौत का फंदा मानते थे। अर्जुन सहायक परियोजना का जिक्र करते हुए कहा कि इस लंबित परियोजना को भाजपा सरकार ने ही पूरा किया। उन्होंने कहा कि पूर्व सरकारों ने वाहवाही लूटने और भ्रष्टाचार की मंशा से कई योजनाएं तो शुरू कीं, मगर उन्हें अधूरा छोड़ दिया। हमारी सरकार ने दशकों से लंबित ऐसी कई परियोजनाओं को पूरा किया है।

सीएम ने कहा कि अमृत महोत्सव वर्ष में बुंदेलखंड और गंगा किनारे प्राकृतिक खेती की संकल्पना को आगामी 25 वर्ष के अमृत काल में अमलीजामा पहनाया जाए। जब भारत स्वतंत्रता का सौंवा साल मनाए तो बुंदेलखंड और गंगा के किनारे का इलाका प्राकृतिक खेती से आच्छादित हो। इसके लिए सभी को जागरूक किया जाना चाहिए। मंच पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल आदि मौजूद रहे।

# आईएस से संपर्क के आरोप में इंजीनियरिंग छात्र गिरफ्तार

चेन्नई, 31 जुलाई (एजेन्सी)। तमिलनाडु में 22 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्र को कथित तौर पर इस्लामिक स्टेट (आईएस) से संबंध रखने और आतंकी हमले की योजना बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों को छात्र के टेलीग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से आईएस समूहों से नियमित संपर्क होने की सूचना मिली थी।

सूचना पर कार्रवाई करते हुए तमिलनाडु के अंबुर जिले के मसुदी गली के निवासी मीर अनस अली को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि मीर अनस अली तमिलनाडु के रानीपेट जिले के एक निजी कॉलेज में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के तृतीय वर्ष का छात्र है। उसको वेल्लोर के अनाईकट पुलिस थाने ले जाया गया।

अली अपनी कुछ ऑनलाइन गतिविधियों के चलते केंद्रीय खुफिया ब्यूरो के रडार पर आ गया।

तमिलनाडु पुलिस के सूत्रों के अनुसार, अली राज्य में गैर-मुस्लिम समुदायों के बीच डर पैदा करने के लिए एक व्यक्ति को मारने की साजिश रच रहा था।

पुलिस ने उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 121, 122, 125 और गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत विभिन्न अन्य धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की है।

छात्र को रविवार तड़के एक मजिस्ट्रेट अदालत के सामने पेश किया गया, जहां उसे वेल्लोर सेंट्रल जेल में रिमांड पर भेज दिया गया।

# एक भाषा, एक संस्कृति थोपने वाले देश के असली दुश्मन : स्टालिन

नई दिल्ली, 31 ुलाई (एजेन्सी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा है कि भारत पर एक भाषा, एक धर्म और एक संस्कृति थोपना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि जो लोग एक भाषा और एक धर्म को बढ़ावा देने वाले हमारी एकता को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं और वे भारत और भारतीयों के दुश्मन हैं। इस दौरान स्टालिन ने डीएमके के सदस्यों सहित 27 सांसदों को निलंबित करने की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह चिंता का विषय है कि भारतीय लोकतंत्र की ऐसी स्थिति है।

दरअसल, केरल के त्रिशूर में आयोजित एक कॉन्क्लेव को चेन्नई से वर्चुअली संबोधित करते हुए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भाजपा और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने 27 सांसदों के हालिया निलंबन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अभिव्यक्ति के अधिकार से वंचित किया जा रहा है। स्टालिन ने केंद्र की बीजेपी सरकार पर आरोप लगाया कि भाजपा अपने राज्यपालों के माध्यम से समानांतर सरकारें चलाने की कोशिश कर रही है। स्टालिन ने कहा कि इस प्रकार की सोच और नीतियां जनविरोधी हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि एक भाषा, एक धर्म और एक संस्कृति को थोपने वाले भारत की एकता के दुश्मन हैं। एकरूपता से आप कभी एकता को हासिल नहीं कर सकते। इसके अलावा उन्होंने अन्य कई मुद्दों को भी उठाया। स्टालिन ने कहा कि भारत को मजबूत बनाने के लिए संघवाद, राज्य स्वायत्तता, धर्मनिरपेक्षता, समानता, बंधुत्व, समाजवाद और सामाजिक न्याय की अवधारणाओं को और मजबूत किया जाना चाहिए। भारत को मजबूत, समृद्ध राज्यों से लाभ होगा। मजबूत, सशक्त और




आत्मनिर्भर राज्य भारत की ताकत हैं, इसकी कमजोरी नहीं।

केंद्र सरकार पर संघवाद के सिद्धांत का पालन नहीं करने का आरोप लगाते हुए स्टालिन ने कहा कि भारत को अखंड बनाने के प्रयासों को स्वीकार किया जाना चाहिए। इसके लिए सभी को आगे आना होगा। सीएम ने कहा कि यह आज भारतीय लोकतंत्र की स्थिति है कि बोलने के अधिकार से सांसदों को स्वयं वंचित किया जाता है। डीएमके के सदस्यों सहित 27 सांसदों को निलंबित कर दिया गया। संसद में भी बोलने का कोई अधिकार नहीं है, जो कि राय व्यक्त करने का एक मंच है।

इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की भी प्रशंसा करते हुए स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु में डीएमके और सीपीआईएम के बीच गठबंधन वैचारिक था ना कि सिर्फ चुनावी गठजोड़। इसके साथ ही स्टालिन ने पत्रकारों की गिरफ्तारी को निरंकुश व्यवहार करार दिया और आरोप लगाया कि केंद्रीय एजेंसियां विपक्षी नेताओं को टारगेट कर रही हैं।

# यदि राउत बेकसूर हैं, तो उन्हें डरना नहीं चाहिए : शिंदे

मुंबई, 31 जुलाई (एजेन्सी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को कहा कि यदि शिवसेना नेता संजय राउत बेकसूर हैं, तो अपने खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई से उन्हें डरना नहीं चाहिए। शिंदे ने औरंगाबाद में संवाददाताओं से बात करते हुए कहा, राउत ने घोषणा की है कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। यदि ऐसा है तो जांच से डर क्यों रहे हैं? इसे होने दीजिए। यदि बेकसूर हैं तो किस बात का डर है?'' धन शोधन के एक मामले में ईडी ने रविवार को मुंबई स्थित राउत के आवास पर तलाशी ली।

अपने आवास पर ईडी के तलाशी शुरू करने के बाद राउत ने एक ट्वीट में कहा, मैं दिवंगत बालासाहेब ठाकरे की शपथ लेता हूं कि किसी घोटाले से मेरा कोई लेना देना नहीं है। '' परिस्थितियों से विवश होकर शिवसेना के बागी खेमे में शामिल होने संबंधी पार्टी के नेता अर्जुन खोतकर के बयान के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, क्या हमने उन्हें न्योता दिया था? ईडी के डर से या किसी और दबाव के चलते हमारे पास या भाजपा के पास नहीं आइए।'' इस बीच, महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने भी कहा कि राउत ने यदि कुछ गलत नहीं किया है तो उन्हें डरने की जरूरत नहीं है।

पूर्व मंत्री गिरीश महाजन ने कहा, संजय राउत अनावश्यक रूप से दिवंगत बालासाहेब ठाकरे का जिक्र कर रहे हैं और शिवसेना के कार्यकर्ताओं को केंद्र सरकार के खिलाफ भड़का रहे हैं। यदि उन्होंने कुछ गलत नहीं किया है, तो उन्हें डरने की जरूरत नहीं है।'' भाजपा नेता एवं पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने कहा कि राउत अभी जांच के दायरे में हैं और उनके खिलाफ आरोप नहीं तय किया गया है। उन्होंने कहा, उन्हें अभी कोई राजनीतिक टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। यदि वह संलिप्त (किसी अनियमितता में) पाये जाते हैं, तो उन्हें कार्रवाई का सामना करना होगा।''

# शराबबंदी पर नीतीश के सहयोगियों ने उठाया सवाल

पटना, 31 जुलाई (का.सं.)। शराबबंदी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रमों में से एक है, जिसका मिशन महिला मतदाताओं को खुश रखना है। हालांकि, राज्य में जहरीली शराब की त्रासदियों ने सत्ताधारी दल के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं।

राज्य सरकार ने कभी भी जहरीली शराब की घटनाओं में मौत के आधिकारिक आंकड़े नहीं दिए हैं, लेकिन सूत्रों का कहना है कि यह संख्या चार अंकों के आंकड़े से ऊपर पहुंच गई है। यही वजह है कि न सिर्फ विपक्ष, बल्कि उसके गठबंधन सहयोगी भी कानून के गलत क्रियान्वयन पर सवाल उठा रहे हैं।

कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में नीतीश कुमार ने कहा कि शराबबंदी का फैसला उन महिलाओं की कई शिकायतों के बाद लिया गया, जिनके पति शराब के नशे में घरेलू हिंसा में शामिल थे।

बिहार में अप्रैल 2016 में शराबबंदी लागू की गई थी और इसका दुरुपयोग जमीन पर भी दिखाई देने लगा था। गठबंधन सहयोगी भाजपा और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (एचएएम) ने कानून की समीक्षा और संशोधन की मांग की है, हालांकि, नीतीश कुमार के लिए यह प्रतिष्ठा का सवाल बन गया है। राजद नेता और राज्य प्रवक्ता चितरंजन गगन ने बिहार में शराबबंदी की विफलता के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया।

उन्होंने कहा, 'अगर हम याद करें, जब बिहार में शराबबंदी अधिनियम लागू हुआ था, तब महागठबंधन राज्य में शासन कर रहा था और नीतीश कुमार मुख्यमंत्री थे। हमने जमीन पर इसके क्रियान्वयन की तैयारी और कार्यान्वयन में उनका समर्थन किया है। यह सुचारु रूप से चल रहा था, जब राजद सत्ता में था। तब नीतीश कुमार गठबंधन से हट गए और बिहार में सरकार बनाने के लिए भाजपा से हाथ मिला मिला लिया।'

गगन ने कहा, 'वहां से स्थिति बदलने लगी और बिहार में जहरीली त्रासदी होने लगी। गठबंधन में रहकर अपने साथी को कमजोर बनाना भाजपा का असली 'चल, चरित्र और चेहरा' है। जैसे दीमक लकड़ी को खोखला कर देता है, भाजपा उसी तरीके से काम करती है। भाजपा के साथ रहने का परिणाम क्या होता है, यह शिवसेना और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) को अच्छी तरह पता है। नीतीश कुमार 1996 में भाजपा के साथ आए थे, जबकि शिवसेना और शिअद सबसे पुराने सहयोगी हैं, लेकिन उनका क्या हुआ। वे पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। भाजपा की नीति क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के साथ गठबंधन करने और सत्ता में रहते हुए उन्हें कमजोर बनाने की है।'

उन्होंने कहा, 'अब, यह जमीन पर दिखाई दे रहा है जब भाजपा ने बिहार में 200 विधानसभा क्षेत्रों में 'प्रवास कार्यक्रम' किया था। इसके राज्य सह प्रभारी हरीश द्विवेदी ने भी कहा था कि उनकी पार्टी सभी 243 विधानसभा सीटों पर ऐसा ही करेगी। जदयू के लिए स्पष्ट संदेश है कि भाजपा को अब उसका साथ नहीं चाहिए और 2024 के लोकसभा चुनाव में वह अकेले जाना चाहती है।

गगन ने कहा, लोकसभा चुनाव के परिणाम आगे 2025 की विधानसभा चुनाव का रुख तय करेंगे।

गगन ने कहा, 'भाजपा ने पहले ही घोषणा कर दी है कि जद (यू) के साथ उसका गठबंधन 2025 तक रहेगा, जो स्पष्ट रूप से इंगित करता है कि पूर्व 2024 के महत्वपूर्ण लोकसभा चुनाव के लिए सत्ता में रहना चाहता है और सरकारी तंत्र का उपयोग अपने पक्ष में करना चाहता है। भाजपा जानती है कि यदि यह इस समय अलग होने की घोषणा करता है, 2015 के विधानसभा चुनाव के परिणाम प्रभावित हो सकते हैं। भाजपा थिंक टैंक अच्छी तरह से जानता है कि वे बिहार में लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव को नहीं हरा सकते हैं। इसलिए, वे जद (यू) के साथ रह रहे हैं।'

राजद के आरोप पर पलटवार करते हुए भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अरविंद कुमार सिंह ने आईएएनएस से कहा, 'शराब बंदी का फैसला आम लोगों के हित में सभी राजनीतिक दलों ने एकमत से लिया था, हालांकि राजद इससे आंतरिक रूप से संतुष्ट नहीं था। जब हम जद (यू) के साथ सत्ता में आए, हमने इसे जारी रखा और किसी भी बिंदु पर चुनौती नहीं दी गई। राजद का आरोप भाजपा पर निराधार था।'

सिंह ने कहा, 'जहां तक गठबंधन के कमजोर होने का सवाल है, गठबंधन सहयोगियों के साथ सरकार चलाने का हमारा लंबा इतिहास रहा है। हमारे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी ने 26 गठबंधन सहयोगियों के साथ सफलतापूर्वक सरकार चलाई। इसलिए हम सभी को आगे ले जाते हैं।'

प्रवास कार्यक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सिंह ने कहा : 'हमने केंद्र और राज्य में एनडीए सरकार द्वारा किए गए कार्यो को जनता के सामने लाने के लिए 200 विधानसभा क्षेत्रों में प्रवास कार्यक्रम किया। हम एक न्यूनतम साझा कार्यक्रम के तहत सरकार चला रहे हैं।'

वहीं, पूर्व सीएम जीतन राम मांझी ने दावा किया कि शराबबंदी से बिहार में पुलिस में भ्रष्टाचार आया है।

78 वर्षीय वयोवृद्ध दलित नेता मांझी ने आगे कहा कि उनके पिता और माता भी 'लाल पानी' (शराब) पीते थे, लेकिन उन्होंने अपने जीवन में कभी शराब को नहीं छुआ।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR JUPITER SUNDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:87 DrawDate on:31/07/22
1st Prize ₹1 Crore/- 95B 27944
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 27944 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
19690 56963 69663 74755 83619 89571 89722 90842 93249 98885
3rd Prize ₹450/-
0917 1663 4572 6302 6521 7121 7186 7786 7807 8165
4th Prize ₹250/-
0435 0732 1997 2715 2977 3438 6310 6483 8821 9958
5th Prize ₹120/-
0158 0207 0745 0751 0799 0840 0874 0890 0937 1275
1310 1547 1573 1630 1875 1928 2221 2233 2305 2336
2526 2712 2736 2820 2935 2951 2958 3111 3408 3437
3471 3540 3587 3651 3661 3745 3754 3797 3865 3896
3912 4035 4043 4058 4174 4314 4538 4556 4597 4730
4795 4930 5012 5025 5040 5075 5107 5148 5206 5235
5343 5407 5500 5503 5736 5801 5931 6006 6160 6189
6247 6368 6398 6441 6655 7032 7180 7181 7208 7270
7524 7570 7926 8100 8132 8156 8281 8314 8404 8515
8762 8925 8950 8964 9039 9462 9620 9844 9848 9899
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR HAWK EVENING
SUNDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:187 DrawDate on:31/07/22
1st Prize ₹1 Crore/- 82G 67898
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 67898 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
06161 10373 11412 42332 44247 47420 48006 49498 67298 89349
3rd Prize ₹450/-
1996 2636 4342 4445 5116 5346 5648 6356 8186 8534
4th Prize ₹250/-
0601 1921 1963 2173 3111 6512 7822 7905 8224 9643
5th Prize ₹120/-
0356 0556 0638 1214 1287 1508 1644 1669 1676 1928
2216 2286 2477 2780 2959 3086 3173 3276 3336 3393
3526 3607 3670 3727 3737 3906 4123 4227 4237 4372
4942 4964 5001 5011 5022 5107 5132 5162 5212 5220
5347 5352 5415 5472 5531 5633 5957 5980 5982 6008
6104 6292 6299 6352 6447 6559 6578 6625 6795 6809
6822 6904 7213 7228 7264 7322 7397 7514 7567 7586
7613 7666 7743 7799 7917 7928 7954 8129 8166 8253
8267 8279 8352 8382 8450 8522 8600 8780 9096 9109
9256 9402 9412 9423 9608 9815 9832 9863 9935 9945
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR DAMODAR MORNING
SUNDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:87 DrawDate on:31/07/22
1st Prize ₹1 Crore/- 46G 19206
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 19206 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
05744 16249 25515 46208 56723 71036 75554 80126 91409 92131
3rd Prize ₹450/-
1091 3012 3191 3500 3650 5506 7273 7568 9504 9717
4th Prize ₹250/-
3841 4965 6440 6995 7024 7531 7752 7775 9314 9863
5th Prize ₹120/-
0221 0260 0428 0436 0521 0591 0627 0741 0840 0867
0929 1217 1239 1261 1433 1540 1661 1798 1799 2000
2098 2174 2178 2215 2256 2363 2375 2464 2573 2594
2738 2779 3046 3049 3165 3234 3328 3339 3340 3654
3778 3819 3820 3821 3936 3959 3982 4028 4038 4122
4125 4302 4746 4780 4786 5026 5036 5336 5466 5556
5561 5698 5701 5720 5808 5862 5907 5950 6040 6133
6178 6211 6237 6473 6531 6848 6892 6988 7075 7757
7762 7782 7795 7918 7994 8014 8107 8168 8260 8379
8437 8488 8607 8824 9240 9537 9678 9689 9706 9788
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

# संपादकीय पृष्ठ

## फिर मिग दुर्घटना

राजस्थान के बाड़मेर में वायुसेना के मिग-21 लड़ाकू विमान की दुर्घटना की खबर परेशान करने वाली है। इस हादसे में वायुसेना के दो पायलटों की जान चली गई। यह दुर्घटना उस समय हुई, जब दो सीट वाले इस विमान से आक्रमण का प्रशिक्षण दिया जा रहा था। राजस्थान में वायुसेना के उतरलाई केंद्र से विमान ने उड़ान भरी थी और जब यह बाड़मेर के पास उड़ रहा था, उसी समय यह दुर्घटना हो गई। मिग-21 लंबे समय तक भारतीय वायुसेना का सबसे भरोसेमंद विमान रहा है। इस समय, जब वायुसेना में कई आधुनिक लड़ाकू विमान आ चुके हैं, तब भी मिग-21 इसकी रीढ़ बना हुआ है। इसे 60 साल पहले भारत ने अपने बमवर्षक बेडे.में शामिल किया था। याद कीजिए उस सर्जिकल स्ट्राइक को, जब विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान इसी मिग-21 पर बैठ पाकिस्तान में आतंकियों के प्रशिक्षण शिविरों को ध्वस्त करने के लिए घुसे थे और वहां पाकिस्तान के अमेरिका में बने एफ-16 विमान को मार गिराया था। इसके पहले बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में भी इस विमान ने काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हालांकि, एक के बाद दूसरी दुर्घटनाओं की वजह से रूस में निर्मित यह विमान पिछले कुछ समय से विवादों में रहा है और रह-रहकर वायुसेना से इसकी विदाई की बातें भी चलती रही हैं। ताजा दुर्घटना से वे तमाम पुराने विवाद एक बार फिर से चर्चा में आ गए हैं। आंकडे. बताते हैं कि 1970-71 से अब तक भारत में इस विमान की 400 से ज्यादा दुर्घटनाएं हो चुकी हैं और इनमें 200 से ज्यादा पायलट मारे जा चुके हैं। इन दुर्घटनाओं में 50 से ज्यादा अन्य लोगों की भी जान जा चुकी है। यूपीए सरकार के दौरान तत्कालीन रक्षा मंत्री एके एंटोनी ने लोकसभा में बताया था कि भारत ने अब तक कुल 872 मिग-21 खरीदे हैं, जिनमें से आधे से अधिक दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। इन्हीं दुर्घटनाओं की वजह से इसे उड़ता हुआ ताबूत भी कहा जाता है। यह भी कहा जाता है कि मिग-21 ऐसा विमान है, जिसकी वजह से हमारे वायुसैनिक शांति काल में भी जान गंवा देते हैं। तकरीबन एक दशक पहले रिटायर विंग कमांडर संजीत सिंह कालिया ने अदालत में याचिका डाल मांग की थी कि इस विमान की वायुसेना से विदाई की जाए। उनकी दलील थी कि यह विमान सुरक्षित स्थितियों में काम करने के मेरे अधिकार का उल्लंघन करता है। दरअसल, संजीत सिंह कालिया खुद एक मिग-21 दुर्घटना में बाल-बाल बचे थे। लेकिन भारतीय प्रतिरक्षा में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले इस विमान से इतनी जल्दी किनारा भी नहीं किया जा सकता था। मिग-21 दुनिया के प्रतिरक्षा कारोबार में सोवियत व्यवस्था का सबसे बड़ा प्रतीक था। सोवियत व्यवस्था तो इतिहास हो गई, लेकिन यह विमान अभी भी बहुत से देशों की प्रतिरक्षा का वर्तमान बना हुआ है। अब इसका पूरा कारोबार रूस के हवाले है। यह विमान दुनिया के कई देशों को बेचे गए थे, इसलिए इसके कल-पुर्जों का अभी भी खासा बड़ा बाजार है। कहा जाता है कि इन कल-पुर्जों की गुणवत्ता काफी खराब है, जो दुर्घटनाओं की मुख्य वजह है। ताजा दुर्घटना के कारणों का अभी पता नहीं लग सका है, लेकिन जो भी हो, अब इस पुरातन विमान को अतीत की चीज बनाने का समय आ गया है। इसे एकाएक विदाई भले न दी जा सकती हो, लेकिन चरणबद्ध तरीके से इसे रिटायर करने का टाइमटेबल बनाए जाने की जरूरत है।

## तरक्की बांटिए, मुफ्त की रेवड़ियां नहीं

एन.के. सिंह

पिछले दिनों अपने एक संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेवड़ी यानी मुफ्त वाली योजनाओं की संस्कृति पर अपनी पीड़ा जाहिर की थी। यह बहस अर्थशात्रियों की व्यापक चिंता के बाद शुरू हुई है। इसमें राज्यों की अर्थव्यवस्था पर रिजर्व बैंक द्वारा हाल ही में जारी रिपोर्ट भी शामिल है, जिसमें इस दोषपूर्ण नीति के कारण राज्यों की खस्ता होती आर्थिक हालत और गहराते ऋण संकट का जिक्र किया गया है। इससे पहले, 19 अप्रैल को दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के सालाना जलसे में मैंने कहा था कि ये रेवड़ियां ऐसी हैं, जो कुछ चुकाए बिना आपको दी गई हैं, विशेष रूप से आपका समर्थन हासिल करने के लिए या इसकी अपेक्षा में। यह विडंबना ही है कि बहुत पहले अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था, कभी-कभी लोग उन चीजों की सबसे अधिक कीमत चुकाते हैं, जो उन्हें मुफ्त में मिलती हैं। जाहिर है, आइंस्टीन ने जो कहा था, उसके गहरे निहितार्थ हैं।

दरअसल, फ्रीबीज कल्चर के गंभीर नतीजों के कारण ही प्रधानमंत्री ने चिंता जताई है। इस लोक-लुभावन संस्कृति ने भारत की राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को प्रभावित किया है। सर्वप्रथम, सतत विकास लक्ष्य की तरफ भारत के बढ़ते कदमों को बाधित करने का मुद्दा है। पेरिस जलवायु सम्मेलन (कॉप 21), अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन और ग्लासगो कॉप 26 में की गई पहल पीढ़ीगत समानता की दिशा में आगे बढ़ने और तीव्र विकास पर भारत की सहमति का भी प्रतीक है। इसका पालन करने की हमारी क्षमता दूसरी बातों के साथ-साथ दो अन्य प्रतिबद्धताओं पर भी निर्भर है।

एक, ऊर्जा खपत में अक्षय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाना। मगर एक तरफ जहां मुफ्त बिजली के रूप में किसी न किसी रूप में सब्सिडी का वायदा किया जा रहा है, तो वहीं बिजली आपूर्ति करने वाली राज्यों की कंपनियों की बिगड़ती सेहत उनकी संभावनाओं को कमजोर कर रही है। क्या यह विडंबना नहीं है कि मुफ्त बिजली कभी-कभी सभी घरों, कभी वैकल्पिक, तो कभी आधे घरों को दी जाती है, बल्कि ये वायदे तभी तक कायम रहते हैं, जब तक सरकार आर्थिक झंझावातों में नहीं फंसती और इस सुविधा को वापस लेने को मजबूर नहीं होती? दिल्ली सरकार की तरफ से बिजली सब्सिडी को वैकल्पिक बनाने का फैसला काफी हद तक बढ़ती लागत के कारण लिया गया था। आरबीआई ने बताया है कि पंजाब में मुफ्त बिजली का वायदा सतत विकास की ओर बढ़ने की उसकी क्षमता को कम करता है। कुछ उपभोक्ताओं के लिए कीमतें घटाने और कारोबारी संस्थानों एवं औद्योगिक इकाइयों से अधिक शुल्क वसूलने से दरअसल प्रतिस्पद्र्धा कम होती है और इससे आय व रोजगार में सुस्ती आती है।

इसी तरह, सौर ऊर्जा को गंभीरता से प्रोत्साहित करने की बिजली वितरण कंपनियों की क्षमता उनकी आर्थिक स्थिति और दर-संबंधी संरचनाओं को विकसित न कर सकने जैसी रुकावटों से बाधित होती है। गैर-जीवाश्म ईंधन वाले युग की तरफ बढ़ने की हमारी क्षमता राज्य बिजली बोर्डों की सेहत पर निर्भर है, लेकिन फ्रीबीज संस्कृति के कारण यह प्रभावित हो रही है। मुफ्त योजनाओं की ऐसी परिपाटी दीर्घावधि में अर्थव्यवस्था, जीवन की गुणवत्ता और सामाजिक सामंजस्य के लिए महंगी साबित होती है।

दूसरी प्रतिबद्धता, मोदी सरकार बुनियादी सुविधाओं की एक विस्तृत शृंखला तक पहुंच सुनिश्चित करके विषमता की चुनौती से निपटना चाहती है। इन सुविधाओं में शामिल हैं- बैंकिंग, बिजली, आवास, बीमा, जल, स्वच्छ ईंधन आदि। इनकी असमानता दूर करने से हमारी आबादी की उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

तीसरी प्रतिबद्धता, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत अभियान व जल जीवन अभियान जैसी कल्याणकारी योजनाओं से मिलने वाले लाभ ने आम नागरिकों की एक बड़ी बाधा खत्म कर दी है। यह बाधा थी, इन सुविधाओं को हासिल करने की लागत। इसके अलावा, ये लोगों को सशक्त व आत्मनिर्भर बना रही हैं। जैसे, पीएम आवास योजना के तहत बने घर लाभार्थी परिवार के लिए जीवन भर की संपत्ति है।

चौथी प्रतिबद्धता, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण में तकनीक का इस्तेमाल। एसईसीसी के माध्यम से लाभार्थियों की पहचान और वंचित सुविधाओं के मानदंड के आधार पर प्राथमिकता तय करने की परंपरा ने सरकार को उन लोगों की मदद करने में सक्षम बनाया है, जिन्हें इसकी सबसे अधिक जरूर है। जो सरकारें सार्वभौमिक सब्सिडी वाला शॉर्टकट अपनाती हैं, वे अक्सर गरीबों की अनदेखी करती हैं। दिल्ली में निचले तबकों के असंख्य परिवार पानी के कनेक्शन की कमी और दिल्ली जल बोर्ड की सीमित आपूर्ति के कारण पानी के लिए महंगे टैंकरों पर निर्भर हैं। इन घरों के लिए मुफ्त जल योजना का कोई मतलब नहीं है।

पांचवीं, विकास करने वाली वस्तुओं पर खर्च करने की प्राथमिकता न होने से पीढ़ीगत असमानता पैदा हो रही है। पीढ़ीगत ऋण अदला-बदली का विज्ञान और अर्थशास्त्र अपने शुरुआती चरण में बेहतर स्थिति में हैं। यह राज्यों व राष्ट्रों की सरकारों के बारे में भी सच है। मसलन, एक राज्य अपना कर्ज दूसरे राज्य को हस्तांतरित नहीं कर सकता, न ही कोई राष्ट्र दूसरे देश के साथ ऐसा कर सकता है। मोदी सरकार की बड़ी उपलब्धियों में एक यह भी है कि वर्षों की राजकोषीय फिजूलखर्ची के बाद साल 2014 में हम राजकोषीय ईमानदारी के रास्ते पर लौट आए।

छठी, विनिर्माण और रोजगार पर मुफ्त उपहारों का दुष्प्रभाव पड़ता है। यह कुशल और प्रतिस्पद्र्धी बुनियादी ढांचे से ध्यान भटकाकर विनिर्माण क्षेत्र की गुणवत्ता और प्रतिस्पद्र्धात्मकता को कम करती है।

साफ है, मुफ्त चीजें देने की संस्कृति के खतरों के बारे में प्रधानमंत्री की टिप्पणी से उन लोगों को सीख लेनी चाहिए, जो अविवेकपूर्ण सब्सिडी का वायदा करते हैं। इसे निचले तबकों को राज्यों द्वारा दिए जाने वाले समर्थन के विरोध में नहीं देखा जाना चाहिए, प्रधानमंत्री ने तो कल्याणकारी शासन का एक सफल मॉडल पेश किया है। अरस्तू ने कहा था, विषमता का सबसे बुरा रूप असमान चीजों को समान बनाने का प्रयास है। साफ है, मुफ्त की संस्कृति समृद्धि का मार्ग नहीं, बल्कि वित्तीय आपदा का एक पासपोर्ट है।

## यूक्रेन पर हमारी चुप्पी

रामचंद्र गुहा

इस बात को पांच महीने हो गए, जब पहली बार रूसी टैंक यूक्रेन के क्षेत्र में भीतर तक घुस गए थे और जब रूसी विमानों ने यूक्रेन के कस्बों और गांवों में बमबारी की थी। यह एक बर्बर खूनी युद्ध है, जिसमें संभवत: 20,000 रूसी सैनिक मारे गए हैं और इससे दोगुना यूक्रेन के सैनिक मारे जा चुके हैं। काफी संख्या में नागरिक भी मारे गए हैं। लाखों यूक्रेनियों को अपने वतन से भागकर दूसरे देशों में अस्थायी या स्थायी रूप से शरण लेने को मजबूर होना पड़ा है।

यूक्रेन की अर्थव्यवस्था तबाह हो चुकी है; संघर्ष के खत्म होने के बाद उसे पहले जैसी स्थिति में आने में दशकों लगेंगे। आम रूसियों का जीवन और उनकी आजीविका पश्चिमी प्रतिबंधों और राष्ट्रपति पुतिन द्वारा छेड़े गए युद्ध के कारण बुरी तरह से प्रभावित हुई है। मैं रूसी सेना की बर्बरता, उनके द्वारा शहरों के पूरे ढांचे का विनाश, अस्पतालों और नागरिक ठिकानों पर उनकी बमबारी और यूक्रेनी महिलाओं पर उनके हमलों को देखकर भयभीत हो गया।

भारत के नागरिक के रूप में इस संघर्ष को देखते हुए, मैं अपने देश की सरकार की भीरुता, हमले की निंदा करने से उसके इनकार और रूसी उत्पीड़न पर उसकी चुप्पी से निराश हूं। फरवरी के आखिर में जब युद्ध शुरू हुआ, तब शायद भारत सरकार के लिए 'इंतजार करो और देखो' की नीति अपनाना जरूरी था। यह स्पष्ट नहीं था कि युद्ध कितना लंबा चलेगा; यहां तक कि जल्द सुलह की बात भी की जा रही थी। और हजारों भारतीय विद्यार्थियों की यूक्रेन से घर वापसी स्वाभाविक रूप से शीर्ष प्राथमिकता थी। हालांकि जब मार्च के बाद अप्रैल आ गया और अप्रैल के बाद मई, और रूसी बलों की क्रूरता अधिक व्यापक हो गई, तब लंबे समय तक तटस्थ नहीं रहा जा सकता था।

यह स्पष्ट था कि पश्चिमी उकसावे की प्रतिक्रिया के रूप में आक्रमण की सभी बातें खोखली थीं। जिसमें जरा भी समझ होगी, तो वह देख सकता है कि पुतिन ने यह युद्ध यूक्रेन को नाटो का सदस्य बनने से रोकने के लिए नहीं, बल्कि इसलिए थोपा, ताकि वह उनके आगे न झुकने वाले यूक्रेनियों को सबक सिखा सकें। रूसी राष्ट्रपति को भ्रम है कि वह एक मध्ययुगीन सम्राट का आधुनिक अवतार हैं, जो रूस और उसके सभी पड़ोसियों को एक सर्वशक्तिमान नेता के अधीन एक राष्ट्र के भीतर एकजुट करना चाहता है।

वह खुद और उनकी सेना इस कल्पना को हकीकत में बदलने की कोशिश कर रहे हैं, फिर यूक्रेनियों और यकीनन खुद रूसियों को भी इसकी चाहे जो कीमत चुकानी पड़े। (नवीनतम, लेकिन किसी भी तरह से पुतिन शासन की बर्बरता का यह कमतर उदाहरण नहीं है कि उसने यूक्रेन को गेहूं निर्यात करने की अनुमति देने वाले समझौते पर हस्ताक्षर करने के तुरंत बाद ओडेसा के बंदरगाह शहर पर बमबारी कर दी।)

राष्ट्रपति पुतिन मानते हैं कि यूक्रेनवासी वास्तव में रूसी हैं, चाहे उनका नाम कुछ और क्यों न हो, और इसलिए अपनी मातृभूमि से उनके एकीकृत होने की आवश्यकता है, जरूरत पड़े तो बल के दम पर भी। हालांकि, अगर इन पांच महीनों के युद्ध ने कुछ भी प्रकट किया है, तो यह है कि यूक्रेनियों के बीच राष्ट्रवाद की भावना वास्तव में बहुत गहरी है। रूसी साम्राज्यवाद के विरुद्ध यूक्रेनी प्रतिरोध को सक्रिय करने वाली राष्ट्रवाद की भावना ने कभी अमेरिकी साम्राज्यवाद के विरुद्ध वियतनाम के प्रतिरोध को प्रेरित करने वाली राष्ट्रवाद की भावना की याद दिला दी है।

यह याद करना समझदारी होगी कि भारत ने, जो कि खुद एक साम्राज्यवादी ताकत के खिलाफ अपने सफल स्वतंत्रता आंदोलन के रूप में एक देश के रूप में आजाद हुआ, वियतनामियों का तब तुरंत समर्थन किया था, जब उन्होंने पहले फ्रांस से और फिर अमेरिका से खुद की मुक्ति चाही थी। 1960 के दशक में अमेरिकी आर्थिक और सैन्य मदद- अकाल से निपटने के लिए आर्थिक मदद जब जरूरी थी- पर भारत की निर्भरता के बावजूद हमने अमेरिकी सरकार से यह कहने में हिचक नहीं दिखाई कि वह वियतनाम में जो कर रही है वह नैतिक रूप से गलत होने के साथ ही राजनीतिक रूप से नासमझी है।

एक और तुलना याद आती है, जो कि हमारे पड़ोस से जुड़ी है। 1970 में पूर्वी पाकिस्तान के लोगों का पश्चिमी पाकिस्तान के आर्थिक शोषण, सामाजिक भेदभाव और राजनीतिक उत्पीड़न के कारण तेजी से मोहभंग हो रहा था। उनका जन्मजात बंगाली राष्ट्रवाद उन्हें उन पर थोपी गई इस्लामी पहचान के खिलाफ मुखर कर रहा था। इस्लामाबाद स्थित सैन्य शासन ने विद्रोह को हिंसक रूप से दबाने की कोशिश की, जिससे भारत का हस्तक्षेप हुआ और बांग्लादेश का एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में निर्माण हुआ।

रूसियों के लिए यूक्रेनी आज वैसे ही हैं, जैसे कभी पाकिस्तानियों के लिए बांग्लादेशी थे- अर्थात्, अपनी स्वयं की एक स्वतंत्र राष्ट्रीय पहचान वाले लोग, जो अपनी पहचान और अपने इतिहास को साझा करने (और प्रतिनिधित्व करने) का झूठा दावा करने वाले एक अधिक शक्तिशाली देश से खुद को मुक्त करने की मांग कर रहे हैं।

1970/71 में भारत ने पाकिस्तानी सेना को उसकी बर्बरता के लिए सही ढंग से फटकार लगाई, पूर्वी पाकिस्तान के लाखों शरणार्थियों को सही तरीके से शरण दी, और जब यह आवश्यक हो गया, तब उचित रूप से मामूली मात्रा में सैन्य बल का इस्तेमाल किया। चूंकि बांग्लादेश पड़ोस में था और यूक्रेन दूर है, इसलिए इस मामले में ऐसा व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। लेकिन क्या हमें दूसरे चरम पर जाना चाहिए और - यूक्रेन पर रूसी आक्रमण की निंदा करने का हमारा निरंतर इनकार- यूक्रेन में पुतिन और उनके लोगों के अपराधों में शामिल होना चाहिए?

यूक्रेन की घटनाओं के प्रति भारत सरकार की गहरी असंतोषजनक प्रतिक्रिया के पीछे के कारणों के बारे में अनुमान लगाया जा सकता है। शायद यह रूसी सैन्य आपूर्ति पर हमारी निर्भरता है, जो यहां काम कर रही है। शायद सत्ताधारी पार्टी के विचारकों को डर है कि अगर हम इस तथ्य पर जोर देते हैं कि यूक्रेनियों को एक स्वतंत्र राष्ट्र होने का अधिकार है, तो कुछ लोग कश्मीरियों या नगाओं के लिए भी ऐसा ही मामला बना सकते हैं।

शायद सरकार को उम्मीद है कि तेल के मामले में अपने विकल्प बढ़ाकर वह मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने में सक्षम हो सकती है और इस तरह सामाजिक असंतोष को टाल सकती है। शायद, प्रधानमंत्री के रूप में आठ वर्षों के बाद भी नरेंद्र मोदी वास्तव में अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीति की जटिलताओं से परिचित नहीं हैं, और इसलिए कोई कदम नहीं उठा सकते। कारण जो भी हों, यूक्रेन पर भारत सरकार की स्थिति - या अधिक सटीक रूप से, उसकी स्थिति की कमी- नैतिक रूप से अस्थिर और साथ ही राजनीतिक रूप से अविवेकपूर्ण है।

हमारे विदेशमंत्री ने कृष्णा मेनन की शैली में रूसी गैस खरीदने वाले यूरोपीय देशों पर पाखंड का आरोप लगाया है, जिन्होंने रूसी तेल खरीदने के लिए भारत की आलोचना की है। पश्चिम पाखंडी है, यह कोई ब्रेकिंग न्यूज नहीं है। हालांकि जो प्रासंगिक है, वह है भारत सरकार का दोहरापन। अगले महीने हम ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से अपनी स्वतंत्रता की पचहत्तरवीं वर्षगांठ मना रहे हैं। इस वर्षगांठ को मोदी सरकार द्वारा व्यापक रूप से प्रचारित किया गया है; ऐसा कोई सरकारी विज्ञापन, प्रेस विज्ञप्ति या ई-मेल नहीं है जिसमें यह उल्लेख न हो कि यह हमारी आजादी का अमृत महोत्सव है।

और फिर भी, राजनीतिक स्वतंत्रता के पचहत्तर साल के इस उल्लासपूर्ण उत्सव में भारत सरकार दुनिया में साम्राज्यवाद के निरंतर अस्तित्व को स्वीकार करने को खुद को तैयार नहीं कर सकी, जबकि यूक्रेन पर रूसी हमले से यह स्पष्ट है। यूक्रेनी लोगों के साहसी प्रतिरोध का समर्थन करने के लिए भारतीयों के पास पर्याप्त नैतिक कारण है। और मैं यह भी मानता हूं कि ऐसा करने के लिए एक राजनीतिक वजह भी है। हमारे आर्थिक और जनसांख्यिकीय आकार, और हमारी सैन्य और अन्य संपत्तियों के कारण, भारत को पिछले कुछ समय से वैश्विक सार्वजनिक मामलों में काफी गंभीरता से लिया गया है।

पुतिन की कार्रवाइयों को चीन के मौन समर्थन को देखते हुए, अगर हमारी सरकार ने हमले की अधिक स्पष्ट रूप से निंदा की होती, तो इससे पुतिन और उनके शासन पर वास्तविक दबाव बनाने में मदद मिल सकती थी। भारत का समर्थन निर्णायक रूप से रूस के खिलाफ आख्यान को बदल सकता था, उन्हें बातचीत की मेज पर आने के लिए मजबूर कर सकता था। अगर हमारी सरकार ने इस तरह से काम किया होता, तो यह विश्व मंच पर हमारी विश्वसनीयता को बढ़ाता और साथ ही तकलीफों को समाप्त करने में मदद करता।

## मानसून का देश में आना

हंसी बघरी

मानसून का आना देश में सामाजिक और आर्थिक दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। लेकिन अति वर्षा से कई इलाकों में बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण स्थानीय नागरिकों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। विशेषकर पहाड़ी क्षेत्रों के लिए आर्थिक रूप से मानसून अहम तो है, लेकिन इससे उनकी दैनिक दिनचर्या सबसे अधिक प्रभावित होती है। अत्यधिक वर्षा से ग्रामीण क्षेत्र अन्य इलाकों से कट कर रह जाते हैं।

इसकी मुख्य वजह सड़क का नहीं होना है। कच्चे और फिसलन भरे रास्तों पर चलना दूभर हो जाता है। वैसे तो पहाड़ी क्षेत्र का नाम सुनते ही न जाने कितनी कल्पनाएं हमारे दिमाग में बन जाती हैं। पहाड़ी क्षेत्र है, तो ठंडी हवाएं चलती होंगी, शुद्ध वातावरण होगा, गर्मी का नामों-निशान नहीं होगा, प्रतिदिन बारिश से मौसम सुहावना रहता होगा इत्यादि। परंतु कल्पनाओं से हकीकत बिल्कुल विपरीत है। जब यहां लगातार बारिश होती है, तो लोगों की जान मुसीबत में आ जाती है।

कई बार बादल फटने अथवा जमीन धंसने की घटनाओं से जान-माल का काफी नुकसान होता है। इस समय भी पहाड़ी राज्य उत्तराखंड में अत्यधिक बारिश तबाही मचा रही है। दूर-दराज के कई गांव ऐसे हैं, जो अन्य इलाकों से कट गए हैं, क्योंकि पक्की सड़क नहीं होने के कारण वहां पहुंचना मुश्किल हो गया है। बिजली और संचार की व्यवस्था भी लगभग ठप हो गई है। ऐसे में कल्पना करना मुश्किल नहीं है कि वहां का सामाजिक जीवन किस प्रकार कष्टकर होता होगा?

बच्चों की पढ़ाई कितनी प्रभावित होती होगी? उत्तराखंड के बागेश्वर जिला स्थित कपकोट ब्लॉक का बघर गांव, जो पहाड़ की चोटी पर बसा है। यह पहाड़ पर बसा आखिरी इंसानी गांव है। यहां पर आकर सीमा समाप्त हो जाती है। इसके आगे कोई गांव नहीं है और यहां तक सड़क की कोई सुविधा नहीं है। इससे ग्रामीणों, विशेषकर स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं को सबसे अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

गांव की किशोरियां- नेहा और बबली कहती हैं, हमारा स्कूल गांव से चार किलोमीटर दूर है, जहां सड़क की सुविधा भी नहीं है, जिस कारण हमें जंगल के रास्ते से स्कूल जाना पड़ता है। इन्हीं परेशानियों के कारण न तो हम समय से स्कूल पहुंच पाते हैं और न ही घर, जिससे हमारी पढ़ाई पर भी काफी बुरा प्रभाव पड़ता है। स्कूल जाते समय जब हमें जंगलों से गुजरना पड़ता है, तो जानवरों का भी भय बना रहता है। अगर ऐसे में कोई जंगली जानवर आ जाए, तो हम कहीं भाग भी नहीं सकते हैं।

वह बताती हैं कि जब बारिश होती है, तो जंगल के कच्चे रास्ते कीचड़ से भर जाते हैं, ऐसे में हमें डर भी लगता है कि कहीं हम फिसल कर खाई में गिर न जाएं। उन्होंने कहा कि यदि स्कूल आने-जाने के लिए सड़क मिल जाए, तो हमें एक सुरक्षित रास्ता मिल जाएगा, जिससे हम स्कूल और घर समय पर पहुंच सकते हैं। सड़क न होने से परेशान गांव वासी लाल सिंह और पवन सिंह का कहना है कि हम मजदूरी करने वाले लोग हैं, हमें रोज काम करने के लिए गांव से बाहर जाना पड़ता है।

गांव में, जहां थोड़ी-बहुत सड़क ठीक है, वह भी बारिश के दिनों में खराब हो जाती है। रास्ता सही न होने के कारण हमें राशन और खाने-पीने की सामग्री आदि लाने में भी मुश्किल आती है। वहीं बुजुर्ग महिला जसुली देवी का कहना है कि हम भी अपने बच्चों का उज्ज्वल भविष्य चाहते हैं, लेकिन गांव में बुनियादी सुविधाएं भी नहीं हैं। टूटी-फूटी सड़कों के कारण स्कूल जाने वाले बच्चों और गांव के बुजुर्गों को बहुत-सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

सड़क न होने के कारण गांव तक एम्बुलेंस नहीं पहुंच पाती है, जिससे मरीजों को चारपाई पर लिटाकर मुख्य सड़क तक लाना पड़ता है, जो वर्षा के दिनों में सबसे खतरनाक परिस्थिति होती है। राजकीय इंटर कॉलेज, बघर के शिक्षक प्रताप सिंह का कहना है कि यह कॉलेज गांव से चार किलोमीटर दूर है। यहां बहुत दूर-दूर से बच्चे आते हैं। बरसात में अधिक बारिश होती है, तो बच्चे आना बंद कर देते हैं। यह वह गांव है, जहां लोग सड़कों पर चलने के लिए सड़क ढूंढते हैं। हालांकि गांव वालों का विश्वास है कि गांव-गांव तक सड़कों का जाल बिछाने वाली सरकार एक दिन उनके गांव तक भी सड़क जैसी बुनियादी सुविधा जरूर पहुंचाएगी।

# भगवान भोलेनाथ शिव के रहस्य

**भगवान शिव अर्थात पार्वती के पति शंकर जिन्हें महादेव, भोलेनाथ, आदिनाथ आदि कहा जाता है, उनके रहस्य यहां प्रस्तुत हैं।**

### • आदिनाथ शिव
सर्वप्रथम शिव ने ही धरती पर जीवन के प्रचार-प्रसार का प्रयास किया इसलिए उन्हें 'आदिदेव' भी कहा जाता है। 'आदि' का अर्थ प्रारंभ। आदिनाथ होने के कारण उनका एक नाम 'आदिश' भी है।

### • शिव के अस्त्र-शस्त्र
शिव का धनुष पिनाक, चक्र भवरेंदु और सुदर्शन, अस्त्र पाशुपतास्त्र और शस्त्र त्रिशूल है। उक्त सभी का उन्होंने ही निर्माण किया था।

### • शिव का नाग
शिव के गले में जो नाग लिपटा रहता है उसका नाम वासुकि है। वासुकि के बड़े भाई का नाम शेषनाग है।

### • शिव की अर्द्धांगिनी
शिव की पहली पत्नी सती ने ही अगले जन्म में पार्वती के रूप में जन्म लिया और वही उमा, उर्मि, काली कही गई हैं।

### • शिव के पुत्र
शिव के प्रमुख 6 पुत्र हैं- गणेश, कार्तिकेय, सुकेश, जलंधर, अयप्पा और भूमा। सभी के जन्म की कथा रोचक है।

### • शिव के शिष्य
शिव के 7 शिष्य हैं जिन्हें प्रारंभिक सप्तऋषि माना गया है। इन ऋषियों ने ही शिव के ज्ञान को संपूर्ण धरती पर प्रचारित किया जिसके चलते भिन्न-भिन्न धर्म और संस्कृतियों की उत्पत्ति हुई। शिव ने ही गुरु और शिष्य परंपरा की शुरुआत की थी। शिव के शिष्य हैं- बृहस्पति, विशालाक्ष, शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज इसके अलावा 8वें गौरशिरस मुनि भी थे।

### • शिव के गण
शिव के गणों में भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय प्रमुख हैं। इसके अलावा, पिशाच, दैत्य और नाग-नागिन, पशुओं को भी शिव का गण माना जाता है। शिवगण नंदी ने ही 'कामशास्त्र' की रचना की थी। 'कामशास्त्र' के आधार पर ही 'कामसूत्र' लिखा गया।

### • शिव पंचायत
भगवान सूर्य, गणपति, देवी, रुद्र और विष्णु ये शिव पंचायत कहलाते हैं।

### • शिव के द्वारपाल
नंदी, स्कंद, रिटी, वृषभ, भृंगी, गणेश, उमा-महेश्वर और महाकाल।

### • शिव पार्षद
जिस तरह जय और विजय विष्णु के पार्षद हैं उसी तरह बाण, रावण, चंड, नंदी, भृंगी आदि शिव के पार्षद हैं।

### • सभी धर्मों का केंद्र शिव
शिव की वेशभूषा ऐसी है कि प्रत्येक धर्म के लोग उनमें अपने प्रतीक

ढूंढ सकते हैं। मुशरिक, यजीदी, साबिईन, सुबी, इब्राहीमी धर्मों में शिव के होने की छाप स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। शिव के शिष्यों से एक ऐसी परंपरा की शुरुआत हुई, जो आगे चलकर शैव, सिद्ध, नाथ, दिगंबर और सूफी संप्रदाय में विभक्त हो गई।

### • देवता और असुर दोनों के प्रिय शिव
भगवान शिव को देवों के साथ असुर, दानव, राक्षस, पिशाच, गंधर्व, यक्ष आदि सभी पूजते हैं। वे रावण को भी वरदान देते हैं और राम को भी। उन्होंने भस्मासुर, शुक्राचार्य आदि कई असुरों को वरदान दिया था। शिव, सभी आदिवासी, वनवासी जाति, वर्ण, धर्म और समाज के सर्वोच्च देवता हैं।

### • शिव चिह्न
वनवासी से लेकर सभी साधारण व्यक्ति जिस चिह्न की पूजा कर सकें, उस पत्थर के ढेले, बटिया को शिव का चिह्न माना जाता है। इसके अलावा रुद्राक्ष और त्रिशूल को भी शिव का चिह्न माना गया है। कुछ लोग डमरू और अर्द्ध चन्द्र को भी शिव का चिह्न मानते हैं, हालांकि ज्यादातर लोग शिवलिंग अर्थात शिव की ज्योति का पूजन करते हैं।

### • शिव की गुफा
शिव ने भस्मासुर से बचने के लिए एक पहाड़ी में अपने त्रिशूल से एक गुफा बनाई और वे फिर उसी गुफा में छिप गए। वह गुफा जम्मू से 150 किलोमीटर दूर त्रिकूटा की पहाड़ियों पर है। दूसरी ओर भगवान शिव ने जहां पार्वती को अमृत ज्ञान दिया था वह गुफा 'अमरनाथ गुफा' के नाम से प्रसिद्ध है।

### • शिव के अवतार
वीरभद्र, पिप्पलाद, नंदी, भैरव, महेश, अश्वत्थामा, शरभावतार, गृहपति, दुर्वासा, हनुमान, वृषभ, यतिनाथ, कृष्णदर्शन, अवधूत, भिक्षुवर्य, सुरेश्वर, किरात, सुनटनर्तक, ब्रह्मचारी, यक्ष, वैश्यानाथ, द्विजेश्वर, हंसरूप, द्विज, नतेश्वर आदि हुए हैं। वेदों में रुद्रों का जिक्र है। रुद्र 11 बताए जाते हैं- कपाली, पिंगल, भीम, विरुपाक्ष, विलोहित, शास्ता, अजपाद, आपिर्बुध्य, शंभू, चण्ड तथा भव।

### • शिव का विरोधाभासिक परिवार
शिवपुत्र कार्तिकेय का वाहन मयूर है, जबकि शिव के गले में वासुकि नाग है। स्वभाव से मयूर और नाग आपस में दुश्मन हैं। इधर गणपति का वाहन चूहा है, जबकि सांप मूषकभक्षी जीव है। पार्वती का वाहन शेर है, लेकिन शिवजी का वाहन तो नंदी बैल है। इस विरोधाभास या वैचारिक भिन्नता के बावजूद परिवार में एकता है।

### • शिव के पैरों के निशान
**श्रीपद**- श्रीलंका में रतन द्वीप पहाड़ की चोटी पर स्थित श्रीपद नामक मंदिर में शिव के पैरों के निशान हैं। ये पदचिह्न 5 फुट 7 इंच लंबे और 2 फुट 6 इंच चौड़े हैं। इस स्थान को सिवानोलीपदम कहते हैं। कुछ लोग इसे आदम पीक कहते हैं।
**रुद्र पद**- तमिलनाडु के नागपट्टीनम जिले के थिरुवेंगडू क्षेत्र में श्रीस्वेदारण्येश्वर का मंदिर में शिव के पदचिह्न हैं जिसे 'रुद्र पदम' कहा जाता है। इसके अलावा थिरुवन्नामलाई में भी एक स्थान पर शिव के पदचिह्न हैं।
**तेजपुर**- असम के तेजपुर में ब्रह्मपुत्र नदी के पास स्थित रुद्रपद मंदिर में शिव के दाएं पैर का निशान है।
जागेश्वर- उत्तराखंड के अल्मोड़ा से 36 किलोमीटर दूर जागेश्वर मंदिर की पहाड़ी से लगभग साढ़े 4 किलोमीटर दूर जंगल में भीम के मंदिर के पास शिव के पदचिह्न हैं। पांडवों को दर्शन देने से बचने के लिए उन्होंने अपना एक पैर यहां और दूसरा कैलाश में रखा था।
रांची- झारखंड के रांची रेलवे स्टेशन से 7 किलोमीटर की दूरी पर 'रांची हिल' पर शिवजी के पैरों के निशान हैं। इस स्थान को 'पहाड़ी बाबा मंदिर' कहा जाता है।

- **शिव भक्त** : ब्रह्मा, विष्णु और सभी देवी-देवताओं सहित भगवान राम और कृष्ण भी शिव भक्त है। हरिवंश पुराण के अनुसार, कैलास पर्वत पर कृष्ण ने शिव को प्रसन्न करने के लिए तपस्या की थी। भगवान राम ने रामेश्वरम में शिवलिंग स्थापित कर उनकी पूजा-अर्चना की थी।
- **शिव ध्यान** : शिव की भक्ति हेतु शिव का ध्यान-पूजन किया जाता है। शिवलिंग को बिल्वपत्र चढ़ाकर शिवलिंग के समीप मंत्र जाप या ध्यान करने से मोक्ष का मार्ग पुष्ट होता है।
- **शिव मंत्र** : दो ही शिव के मंत्र हैं पहला- ऊं नम: शिवाय। दूसरा महामृत्युंजय मंत्र- ऊं हौं जू स:। ऊं भू: भुव: स्व:। ऊं त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात। स्व: भुव: भू: ऊं। स: जू हौं ऊं, है।
- **शिव व्रत और त्योहार** : सोमवार, प्रदोष और श्रावण मास में शिव व्रत रखे जाते हैं। शिवरात्रि और महाशिवरात्रि शिव का प्रमुख पर्व त्योहार है।
- **शिव प्रचारक** : भगवान शंकर की परंपरा को उनके शिष्यों बृहस्पति, विशालाक्ष (शिव), शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज, अगस्त्य मुनि, गौरशिरस मुनि, नंदी, कार्तिकेय, भैरवनाथ आदि ने आगे बढ़ाया। इसके अलावा वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, बाण, रावण, जय और विजय ने भी शैवपंथ का प्रचार किया। इस परंपरा में सबसे बड़ा नाम आदिगुरु भगवान दत्तात्रेय का आता है। दत्तात्रेय के बाद आदि शंकराचार्य, मत्स्येन्द्रनाथ और गुरु गुरुगोरखनाथ का नाम प्रमुखता से लिया जाता है।

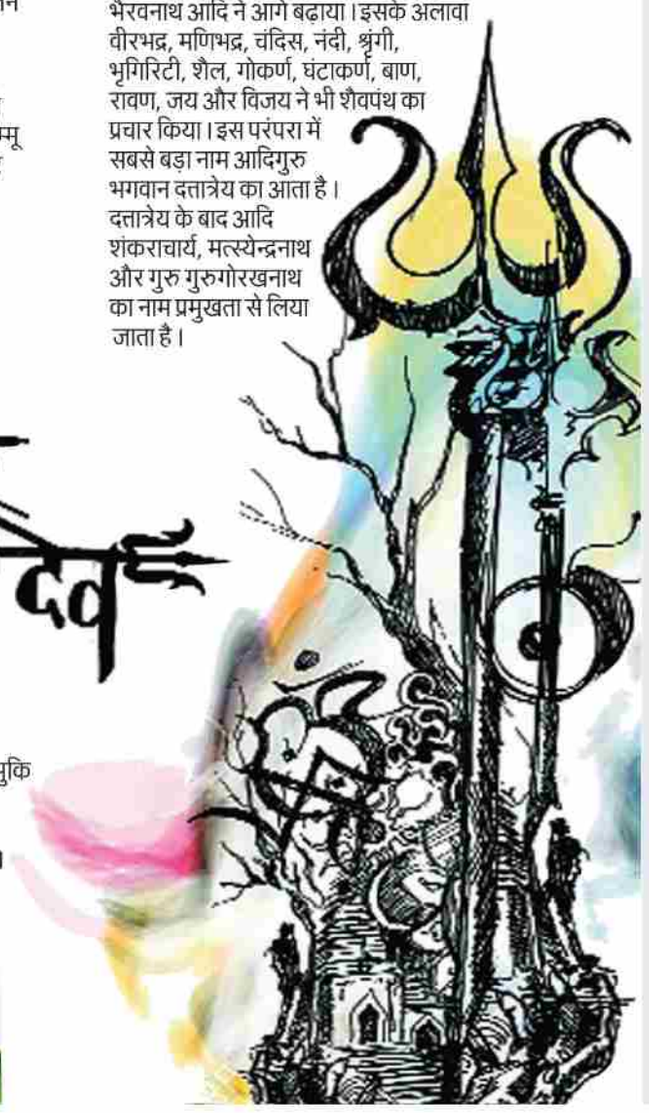



- बौद्ध साहित्य के मर्मज्ञ अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विद्वान प्रोफेसर उपासक का मानना है कि शंकर ने ही बुद्ध के रूप में जन्म लिया था। उन्होंने पालि ग्रंथों में वर्णित 27 बुद्धों का उल्लेख करते हुए बताया कि इनमें बुद्ध के 3 नाम अतिप्राचीन हैं- तणंकर, शणंकर और मेघंकर।
- तिब्बत स्थित कैलाश पर्वत पर उनका निवास है। जहां पर शिव विराजमान हैं उस पर्वत के ठीक नीचे पाताल लोक है जो भगवान विष्णु का स्थान है। शिव के आसन के ऊपर वायुमंडल के पार क्रमश: स्वर्ग लोक और फिर ब्रह्माजी का स्थान है।

- **शिव महिमा**
शिव ने कालकूट नामक विष पिया था जो अमृत मंथन के दौरान निकला था। शिव ने भस्मासुर जैसे कई असुरों को वरदान दिया था। शिव ने कामदेव को भस्म कर दिया था। शिव ने गणेश और राजा दक्ष के सिर को जोड़ दिया था। ब्रह्मा द्वारा छल किए जाने पर शिव ने ब्रह्मा का पांचवां सिर काट दिया था।
- **शैव परम्परा**
दसनामी, शाक्त, सिद्ध, दिगंबर, नाथ, लिंगायत, तमिल शैव, कालमुख शैव, कश्मीरी शैव, वीरशैव, नाग, लकुलीश, पाशुपत, कापालिक, कालदमन और महेश्वर सभी शैव परंपरा से हैं। चंद्रवंशी, सूर्यवंशी, अग्निवंशी और नागवंशी भी शिव की परंपरा से ही माने जाते हैं। भारत की असुर, रक्ष और आदिवासी जाति के आराध्य देव शिव ही हैं। शैव धर्म भारत के आदिवासियों का धर्म है।
- **शिव के प्रमुख नाम**
शिव के वैसे तो अनेक नाम हैं जिनमें 108 नामों का उल्लेख पुराणों में मिलता है लेकिन यहां प्रचलित नाम जानें- महेश, नीलकंठ, महादेव, महाकाल, शंकर, पशुपतिनाथ, गंगाधर, नटराज, त्रिनेत्र, भोलेनाथ, आदिदेव, आदिनाथ, त्रियंबक, त्रिलोकेश, जटाशंकर, जगदीश, प्रलयंकर, विश्वनाथ, विश्वेश्वर, हर, शिवशंभु, भूतनाथ और रुद्र।
- **अमरनाथ के अमृत वचन**
शिव ने अपनी अर्धांगिनी पार्वती को मोक्ष हेतु अमरनाथ की गुफा में जो ज्ञान दिया उस ज्ञान की आज अनेकानेक शाखाएं हो चली हैं। वह ज्ञानयोग और तंत्र के मूल सूत्रों में शामिल है। 'विज्ञान भैरव तंत्र' एक ऐसा ग्रंथ है, जिसमें भगवान शिव द्वारा पार्वती को बताए गए 112 ध्यान सूत्रों का संकलन है।
- **शिव ग्रंथ**
वेद और उपनिषद सहित विज्ञान भैरव तंत्र, शिव पुराण और शिव संहिता में शिव की संपूर्ण शिक्षा और दीक्षा समाई हुई है। तंत्र के अनेक ग्रंथों में उनकी शिक्षा का विस्तार हुआ है।

- **शिवलिंग**
वायु पुराण के अनुसार प्रलयकाल में समस्त सृष्टि जिसमें लीन हो जाती है और पुन: सृष्टिकाल में जिससे प्रकट होती है, उसे लिंग कहते हैं। इस प्रकार विश्व की संपूर्ण ऊर्जा ही लिंग की प्रतीक है। वस्तुत: यह संपूर्ण सृष्टि बिंदु-नाद स्वरूप है। बिंदु शक्ति है और नाद शिव। बिंदु अर्थात ऊर्जा और नाद अर्थात ध्वनि। यही दो संपूर्ण ब्रह्मांड का आधार है। इसी कारण प्रतीक स्वरूप शिवलिंग की पूजा-अर्चना है।
- **बारह ज्योतिर्लिंग**
सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, वैद्यनाथ, भीमशंकर, रामेश्वर, नागेश्वर, विश्वनाथजी, त्र्यम्बकेश्वर, केदारनाथ, घृष्णेश्वर। ज्योतिर्लिंग उत्पत्ति के संबंध में अनेकों मान्यताएं प्रचलित है। ज्योतिर्लिंग यानी 'व्यापक ब्रह्मात्मलिंग' जिसका अर्थ है 'व्यापक प्रकाश'। जो शिवलिंग के बारह खंड हैं। शिवपुराण के अनुसार ब्रह्म, माया, जीव, मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार, आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी को ज्योतिर्लिंग या ज्योति पिंड कहा गया है। दूसरी मान्यता अनुसार शिव पुराण के अनुसार प्राचीनकाल में आकाश से ज्योति पिंड पृथ्वी पर गिरे और उनसे थोड़ी देर के लिए प्रकाश फैल गया। इस तरह के अनेकों उल्का पिंड आकाश से धरती पर गिरे थे। भारत में गिरे अनेकों पिंडों में से प्रमुख बारह पिंड को ही ज्योतिर्लिंग में शामिल किया गया।
- **शिव का दर्शन**
शिव के जीवन और दर्शन को जो लोग यथार्थ दृष्टि से देखते हैं वे सही बुद्धि वाले और यथार्थ को पकड़ने वाले शिवभक्त हैं, क्योंकि शिव का दर्शन कहता है कि यथार्थ में जियो, वर्तमान में जियो, अपनी चित्तवृत्तियों से लड़ो मत, उन्हें अजनबी बनकर देखो और कल्पना का भी यथार्थ के लिए उपयोग करो। आइंस्टीन से पूर्व शिव ने ही कहा था कि कल्पना ज्ञान से ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- **शिव और शंकर**
शिव का नाम शंकर के साथ जोड़ा जाता है। लोग कहते हैं- शिव, शंकर, भोलेनाथ। इस तरह अनजाने ही कई लोग शिव और शंकर को एक ही सत्ता के दो नाम बताते हैं। असल में, दोनों की प्रतिमाएं अलग-अलग आकृति की हैं। शंकर को हमेशा तपस्वी रूप में दिखाया जाता है। कई जगह तो शंकर को शिवलिंग का ध्यान करते हुए दिखाया गया है। अत: शिव और शंकर दो अलग अलग सत्ताएं है। हालांकि शंकर को भी शिवरूप माना गया है। माना जाता है कि महेष (नंदी) और महाकाल भगवान शंकर के द्वारपाल हैं। रुद्र देवता शंकर की पंचायत के सदस्य हैं।
- **देवों के देव महादेव**
देवताओं की दैत्यों से प्रतिस्पर्धा चलती रहती थी। ऐसे में जब भी देवताओं पर घोर संकट आता था तो वे सभी देवाधिदेव महादेव के पास जाते थे। दैत्यों, राक्षसों सहित देवताओं ने भी शिव को कई बार चुनौती दी, लेकिन वे सभी परास्त होकर शिव के समक्ष झुक गए इसीलिए शिव हैं देवों के देव महादेव। वे दैत्यों, दानवों और भूतों के भी प्रिय भगवान हैं। वे राम को भी वरदान देते हैं और रावण को भी।
- **शिव हर काल में**
भगवान शिव ने हर काल में लोगों को दर्शन दिए हैं। राम के समय भी शिव थे। महाभारत काल में भी शिव थे और विक्रमादित्य के काल में भी शिव के दर्शन होने का उल्लेख मिलता है। भविष्य पुराण अनुसार राजा हर्षवर्धन को भी भगवान शिव ने दर्शन दिए थे।

## कनाडा के वैंकूवर में कार में बैठे अधिकारी पर हमले के बाद मुठभेड़, हमलावर घायल

**वैंकूवर।** कनाडा में वैंकूवर के हेस्टिंग्स स्ट्रीट टेंट सिटी के पास एक अधिकारी पर कथित रूप से हथियार से हमला किए जाने के बाद पुलिस ने एक व्यक्ति को गोली मार दी और घायल कर दिया। घटना सुबह वैंकूवर के डाउनटाउन ईस्टसाइड में हुई जिसकी पुलिस ने पुष्टि की है। पुलिस की प्रवक्ता तानिया विसिंटिन ने कहा कि दो अधिकारी सुबह करीब आठ बजे ईस्ट हेस्टिंग्स और कोलंबिया स्ट्रीट के पास अपनी गश्ती कार में बैठे थे, जब एक हथियार लेकर एक व्यक्ति पुलिस कार के पास पहुंचा और कथित तौर पर एक खुली खिड़की से एक अधिकारी पर हमला कर दिया । विसिंटिन के अनुसार उस व्यक्ति का पीछा किया गया और वीपीडी अधिकारी ने गोलियां चलाईं। अधिकारी के सिर में गंभीर चोट आई और उसे इलाज के लिएअस्पताल ले जाया गया। मुठभेड़ में 53 वर्षीय संदिग्ध घायल हो गया और उसे अस्पताल ले जाया गया, औरल अधिकारी पर हमला करने के आरोप में उसे हिरासत में ले लिया गया । विसिंटिन ने कहा कि एक दूसरे वीपीडी अधिकारी पर बाद में एक राहगीर ने पर उस समय हमला किया, जब वह पुलिस की गोलीबारी के बाद सहायता के लिए पहुंचा।

## अमेरिका के जंगलों में लगी आग, रिहायशी इलाके करवाए गए खाली

**वाशिंगटन:** अमेरिका के पश्चिमी मोंटाना में रात करीब 2,000 एकड़ क्षेत्र में जंगलों में आग फैल गई जिसके चलते रिहायशी इलाकों को खाली करा लिया गया और सड़कों को बंद कर दिया गया। मोंटाना

राइट नाउ नामक मीडिया संस्थान के मुताबिक, फ्लैटहेड झील के पास एलमो शहर के जंगलों में आग लग गई। सीएसकेटी के अग्निशमन अधिकारी सी.टी. कैमल ने बताया कि एलमो के पास करीब तीन दर्जन घरों को खाली कराया जा रहा है। मोंटाना परिवहन विभाग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, आग के कारण हॉट स्प्रिंग्स और एलमो के बीच राजमार्ग-28 को बंद कर दिया गया। एनबीसी मोंटाना ने बताया कि आग तेजी से जंगल में फैल रही है और इसे बुझाने के लिए हवाई टैंकर तथा हेलीकॉप्टर के जरिए पानी की बौछार की जा रही है।

## पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख ने आईएमएफ ऋण जारी कराने के लिए अमेरिका से मदद मांगी

**इस्लामाबाद।** आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने अपने देश को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से 1.7 अरब डॉलर की अहम किश्त जल्द से जल्द जारी कराने के लिए अमेरिका से मदद मांगी है। कई सरकारी अधिकारियों के अनुसार, जनरल कमर जावेद बाजवा ने अमेरिकी उप विदेश मंत्री वेंडी शरमन के साथ इस मामले पर चर्चा की और अमेरिका से पाकिस्तान की मदद के लिए आईएमएफ में अपने प्रभाव का उपयोग करने की अपील की। सेना प्रमुख द्वारा इस तरह की अपील किया जाना दुर्लभ है। मुख्य रूप से अफगानिस्तान के मुद्दे के कारण अमेरिका और पाकिस्तान के संबंधों में हालिया वर्षों में तनाव पैदा हो गया है। विशेष रूप से पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के कार्यकाल में दोनों देशों के संबंध तनावपूर्ण रहे। इमरान खान को अप्रैल में संसद में अविश्वास प्रस्ताव के बाद सत्ता से बाहर कर दिया गया था। बहरहाल, पाकिस्तान की सेना, जिसने अपने 75 साल के इतिहास के आधे से अधिक समय तक देश पर सीधे शासन किया है, ने अमेरिका के साथ मिलकर काम किया है और अल-कायदा के खिलाफ आतंकवाद से युद्ध में वह एक आधिकारिक सहयोगी थी। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की कि बाजवा और शरमन ने बात की थी। मंत्रालय के प्रवक्ता आसिम इफ्तिखार ने कहा, ''बातचीत हो चुकी है, लेकिन इस स्तर पर मुझे यह स्पष्ट जानकारी नहीं है कि इस दौरान क्या बात हुई।'' अधिकारियों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर शनिवार को एसोसिएटेड प्रेस (एपी) से कहा कि चर्चा आईएमएफ ऋण पर केंद्रित थी। पाकिस्तान और आईएमएफ ने मूल रूप से 2019 में बेलआउट समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, लेकिन 1.7 अरब डॉलर की किश्त पर इस साल की शुरुआत से रोक लगी है। दरअसल आईएमएफ ने खान के शासन में समझौते की शर्तों के अनुपालन को लेकर चिंता व्यक्त की थी।

# धरती पर गिरा चीन के रॉकेट का मलबा

## आसमान में तेज रोशनी दिखी, सोशल मीडिया पर लोग बोले- ये उल्कापिंड की बारिश जैसा है

**वाशिंगटन।** चीन का लॉन्ग मार्च 5 बी रॉकेट पृथ्वी से टकरा गया। रॉकेट पृथ्वी के एटमॉस्फियर में एंटर करते ही जल गया। लेकिन 30-31 जुलाई की दरमियानी रात रॉकेट के कुछ टुकड़े धरती पर गिरे। 25 टन का ये रॉकेट 24 जुलाई को चीन के अधूरे तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन को पूरा करने के लिए एक मॉड्यूल लेकर निकला था। इसके लॉन्च होने के बाद से वैज्ञानिकों को चिंता थी कि ये रॉकेट अंतरिक्ष से धरती पर गिर सकता है।

यूएस डिफेंस डिपार्टमेंट ऑफिशियल्स ने कहा- पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना लॉन्ग मार्च 5B (CZ-5B) पृथ्वी के एटमॉस्फियर में रि-एंटर हुआ। इसका मलबा इंडियन ओशन के पास गिरा।

**सोशल मीडिया पर हो रही चर्चा**

सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा थी। जैसे ही रॉकेट का मलबा गिरते हुए दिखा, लोगों ने इसके वीडियो बनाए और शेयर किए। यूजर्स ने इसे बिलकुल मीटियोर शावर (उल्कापिंड की बारिश) जैसा बताया। लोगों ने कहा कि आसमान में तेज रोशनी दिखाई दी। आकाश पूरी तरह से रेड, ब्लू और येलो लाइट्स से भर गया था। एक यूजर ने लिखा- ऐसा लग रहा था कि ब्लैक कैनवस को किसी ने रंगों से भर दिया हो। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा- ये तो ये तो मीटियोर शावर है।

**मलबा गिरने से कोई खतरा नहीं**

चीन की स्पेस एजेंसी ने बताया कि लॉन्ग मार्च 5 रॉकेट के ज्यादातर हिस्से एटमॉस्फियर (वायुमंडल) में ही जल गए। चीनी सरकार ने कहा था कि रॉकेट के धरती पर लौटने से किसी को कोई भी खतरा नहीं होगा क्योंकि इसके समुद्र में गिरने की संभावना ज्यादा है।

**रॉकेट के मलबे से कितना खतरा**

द एयरोस्पेस कॉरपोरेशन के मुताबिक, जो मलबा पृथ्वी के एटमॉस्फियर में नहीं जलता वो आबादी वाले इलाकों में गिर सकता है। लेकिन, इस मलबे से किसी को नुकसान पहुंचाने की संभावना बहुत ही कम होती है।

अमेरिका के ऑर्बिटल डॉबरीज मिटिगेशन स्टैंडर्ड प्रैक्टिसेज की 2019 में जारी हुई एक रिपोर्ट के मुताबिक, किसी रॉकेट के अनियंत्रित होकर धरती में फिर से प्रवेश करने पर किसी के हताहत होने की संभावना 10,000 में एक है।

## एससीओ मीटिंग में बॉलीवुड सॉन्ग:उज्बेकिस्तान के बैंड ने दी परफॉर्मेंस, विदेश मंत्री जयशंकर ने शेयर किया 45 सेकेंड का वीडियो

**ताशकंद।** उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन के विदेश मंत्रियों की मीटिंग हुई। बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर शामिल हुए। उन्होंने बैठक के समापन समारोह का एक वीडियो शेयर किया है।

45 सेकेंड लंबे इस वीडियो में उज्बेकिस्तान के कलाकार बॉलिवुड का गाना गा रहे हैं। उज्बेकिस्तान के इस बैंड ने राजकपूर की फिल्म 'संगम' का लोकप्रिय गाना 'बोल राधा बोल संगम होगा कि नहीं', गाया। वीडियो सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हो रहा है।

**किसी तरह का आतंकवाद बर्दाश्त नहीं-** बैठक में चीनी

विदेश मंत्री वांग यी, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव, पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो की मौजूदगी में जयशंकर ने कहा- हमें आतंकवाद कतई बर्दाश्त नहीं है। ये नीति सभी की होनी चाहिए।

**सितंबर होगा SCO शिखर सम्मेलन**

SCO के लिए सितंबर बेहद अहम होने जा रहा है। सभी 8 देशों के राष्ट्रप्रमुख उज्बेकिस्तान के समरकंद में जुटेंगे। 15 और 16 सितंबर तक यह सम्मेलन चलेगा। इस मीटिंग में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ के अलावा रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन भी हिस्सा ले सकते हैं।

पाकिस्तान के कई जर्नलिस्ट्स दावा कर रहे हैं कि बैकडोर डिप्लोमैसी और अमेरिकी दखल के चलते इस मीटिंग में प्रधानमंत्री मोदी और शाहबाज शरीफ की मुलाकात हो सकती है। हालांकि, तस्वीर का दूसरा पहलू ये है कि पाकिस्तान में भारी सियासी उथलपुथल के बीच शरीफ की कुर्सी किसी भी वक्त जा सकती है।

## नेपाल- भूकंप के तेज झटकों से कांपा काठमांडू, बिहार के कई जिलों में भी दिखा असर

**काठमांडू ।** नेपाल की राजधानी काठमांडू में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। यहां 5.5 तीव्रता का भूकंप आया है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने बताया कि रविवार सुबह करीब 7:58 मिनट पर झटके महसूस किए गए। भूकंप इतना तेज था कि बिहार के कई जिलों

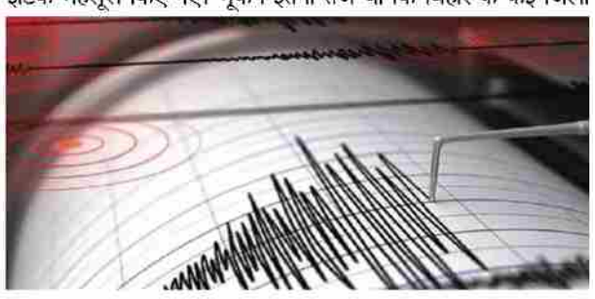

में भी इसका असर देखने को मिला है। बिहार के लोगों का कहना है कि उन्हें भी भूकंप के झटके महसूस हुए। सुबह-सुबह भूकंप के झटकों ने लोगों को दहशत में डाल दिया। कई लोत तो अपने घरों से बाहर निकल सड़क पर आ गए। अभी तक भूकंप के कारण जान-माल के नुकसान की कोई जानकारी नहीं है। नेपाल से सटे मधुबनी, समस्तीपुर, अररिया, कटिहार, सीतामढ़ी में लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए।

## बढ़ती आस्था: अमेरिका में तेजी से बढ़ रहे मंदिर, 2006 में 53 थे, अब 750 हो गए; 5 साल में ही 200फीसदी बढ़े

**वाशिंगटन।** अमेरिका में भारतवंशियों की बढ़ती आबादी के साथ वहां मंदिरों की संख्या में भी तेजी से इजाफा हुआ है। लॉस एंजिल्स से न्यूयॉर्क तक घंटियों की गूंज और भजन चिर-परिचित स्वर बनते जा रहे हैं। भारत के हर भाषाई और क्षेत्रीय हिंदू समूह का प्रतिनिधित्व करने वाले मंदिर पूरे अमेरिका में मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं।

कॉफी टेबल बुक 'अमेरिका में भारत रेखा' के मुताबिक, 2006 में 53 मंदिर थे। वर्ष 2017 में संख्या बढ़कर 250 हो गई। 2022 में मंदिर बढ़कर 750 हो गए। सबसे ज्यादा संख्या इन्हीं 5 सालों में बढ़ी। इस दौरान 200त्न मंदिर बढ़े।

**भारत से लोगों का भावनात्मक संबंध**

अमेरिका में भारतीय लोग भारत से अपने भावनात्मक संबंधों को महसूस करते हैं। मंदिरों की बढ़ती संख्या संकेत देती है कि 10 लाख से अधिक भारतीयों ने अमेरिका को अपना

घर बना लिया है। स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में विश्व प्रसिद्ध भाषण देने के बाद 1980 में न्यूयॉर्क और सैन फ्रांसिस्को में वेदांत सोसायटी की स्थापना की थी। वेदांत सोसायटी ने ही अमेरिका का पहला मंदिर सैन फ्रांसिस्को में 1905 में बनवाया।

**भारत प्रेम जीवित रखने का एक तरीका यह भी**

अमेरिका का ऐसा कोई राज्य नहीं है, जहां आधा दर्जन मंदिर न हों। बढ़ते मंदिर हिंदुओं को उनके देश और संस्कृति से जोड़ रहे हैं। इंजीनियर केटी लक्ष्मी कहती हैं, यहां आकर लोग अधिक धार्मिक हो जाते हैं। यह भारत से हमारा लगाव जीवित रखने का तरीका है।

# ठीक होने के महज तीन दिन बाइडेन फिर मकोविड से संक्रमित

**वाशिंगटन:** अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन एक बार फिर कोविड-19 से संक्रमित पाए गए। महज तीन दिन पहले ही कोरोना वायरस संक्रमण से मुक्त होने के बाद उनका पृथक-वास समाप्त हुआ था। व्हाइट हाउस ने कहा है कि एंटी वायरल दवा से इलाज के बाद बाइडेन में संक्रमण का फिर से उभरना एक दुर्लभ मामला है। व्हाइट हाउस के चिकित्सक डॉ. केविन ओ 'कोनोर ने एक पत्र में कहा कि बाइडेन में ''इस बार कोई भी लक्षण नहीं उभरे हैं और वह अच्छा महसूस कर रहे हैं।' रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र के दिशा-निर्देशों के अनुसार, बाइडेन एक बार फिर कम से कम पांच दिनों के लिए पृथक-वास में रहेंगे।

संक्रमण मुक्त होने तक वह व्हाइट हाउस में ही रहेंगे। एजेंसी ने कहा कि संक्रमण के फिर से उभरने के ज्यादातर मामलों में लक्षण हल्के रहते हैं और इस दौरान मरीजों के गंभीर रूप से बीमार पड़ने का कोई मामला सामने नहीं आया है। बाइडेन (79) के एक बार फिर संक्रमित पाए जाने की घोषणा से महज दो घंटे पहले व्हाइट हाउस ने आगामी

मंगलवार को उनके मिशिगन दौरे की जानकारी दी थी जिसमें वह घरेलू निर्माण को बढ़ावा देने संबंधी विधेयक को पारित किए जाने को रेखांकित करने वाले थे। बाइडेन रविवार को अपने गृह नगर वेलिंगटन भी जाने वाले थे जहां प्रथम महिला जिल बाइडन मौजूद हैं। लेकिन अब बाइडन के संक्रमित होने के कारण ये दोनों यात्राएं रद्द कर दी गई हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति बीते मंगलवार और बुधवार को हुई जांच में संक्रमित नहीं पाए गए थे। इसके बाद उनका पृथक-वास समाप्त हो गया था। व्हाइट हाउस के कोविड-19 के समन्वयक डॉ. आशीष झा ने सोमवार को संवाददाताओं से कहा,'' आंकड़ों से पता चलता है कि पैक्सलोविड उपचार के बाद पांच से आठ प्रतिशत लोग फिर से संक्रमित हुए।

# पाकिस्तान में पहले छह महीनों में सुरक्षाबलों पर 434 आतंकवादी हमलों में मारे गए 323 सैनिक

**इस्लामाबाद:** पाकिस्तान में इस साल के पहले छह महीनों में सुरक्षाबलों पर कुल 434 हमले हुए हैं जिनमें कम से कम 323 सैनिक मारे गए हैं। गृह मंत्रालय ने यह जानकारी दी। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून में प्रकाशित खबर के मुताबिक, गृह मंत्रालय ने संसद के ऊपरी सदन (सीनेट) में पेश रिपोर्ट में कहा है कि खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में इस साल के शुरुआती छह महीनों में सुरक्षाबलों पर सबसे अधिक 247 हमले हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इस अवधि के दौरान बलूचिस्तान में सुरक्षाबलों पर हमलों की 171 घटनाएं दर्ज की गईं जबकि सिंध में 12 और पंजाब में सुरक्षाबलों पर कम से कम एक हमला हुआ। देश की राजधानी इस्लामाबद में भी साल के शुरुआती छह महीनों में तीन हमले सुरक्षाबलों पर हुए हैं। सुरक्षाबलों पर हुए हमलों की विस्तृत जानकारी देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि इन आतंकी हमलों

में सुरक्षाबलों और अन्य संस्थानों के कम से कम 323 सैनिक मारे गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इन हमलों में सुरक्षाबलों और अन्य संगठनों के 718 सैनिक व अधिकारी घायल हुए हैं। अखबार के अनुसार, पाकिस्तानी उलेमा का प्रतिनिधिमंडल प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को पाकिस्तानी वार्ताकारों के साथ चल रही शांति वार्ता में नरम रुख अपनाने के लिए मनाने में नाकाम रहा है। शेख उल इस्लाम मुफ्ती तकी उस्मानी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल सी-130 विमान से सोमवार को काबुल रवाना हुआ और उसके बुधवार तक वहां रहने की संभावना है।इस दौरान प्रतिनिधिमंडल टीटीपी नेतृत्व को अपना रुख नरम करने के लिए मनाने की आखिरी कोशिश करेगा। हालांकि, टीटीपी के रुख में नरमी की बहुत कम संभावना दिख रही है।

उलेमा प्रतिनिधिमंडल में शामिल सूत्र ने अखबार को बताया कि टीटीपी नेतृत्व ने संयम के साथ उन्हें सुना, लेकिन उनकी मांगों को मानने से इनकार कर दिया। इस बीच, पाकिस्तान की सरकार टीटीपी से वार्ता कर शांति लाने की कोशिश कर रही है। समूह ने संघर्षविराम की भी घोषणा की है, लेकिन टीटीपी से छिटके अन्य गुट सुरक्षाबलों को निशाना बना रहे हैं।

# हांगकांग में चीनी राष्ट्रपति शी के भाषण की प्रशंसा के लिए करवाए गए 60 से अधिक सैमीनार

**बीजिंग।** हांगकांग में बीजिंग समर्थक संगठनों ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भाषण की प्रशंसा करने के लिए जी जान लगा दी है। उन्होंने शहर की अपनी यात्रा के दौरान शी भाषण के गुणों की प्रशंसा करने के लिए 60 से अधिक सेमिनार आयोजित किए ।मीडिया रिपोर्टों के अनुसार चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ब्रिटेन से चीन को शहर के हस्तांतरण की 25 वीं वर्षगांठ के अवसर पर हांगकांग की अपनी यात्रा के दौरान अपने गुणों के संदर्भ में भाषण दिया था, जिसका अब प्रो-बीजिंग संगठनों द्वारा खूब प्रचार किया जा रहा है।

हालांकि, राजनीतिक टिप्पणीकार डेरेक यूएन ने कहा कि 2013 में शी के सत्ता संभालने के बाद से इस तरह की राजनीतिक सीख एक आदर्श बन चुकी है।उन्होंने कहा कि लेकिन इस महीने हांगकांग में

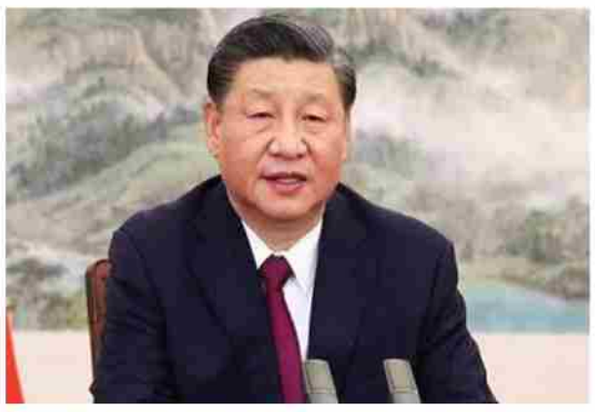

आयोजित दर्जनों सेमिनारों ने भाषण की सही व्याख्या नहीं की । शी जिनपिंग की उत्साहपूर्वक प्रशंसा करने के लिए आयोजित किए गए इन संगोष्ठियों और कार्यक्रमों का विषय ÷राष्ट्रपति शी जिनपिंग के महत्वपूर्ण भाषण की भावना के बारे में सीखना, बढ़ावा देना और लागू करना है। दर्शकों में सिविल सेवक, कांसुलर स्टाफ से लेकर किंडरगार्टन के छात्रों को शामिल किया गया। सरकारी प्रेस बयानों में पाया गया कि 2 जुलाई से 25 जुलाई के बीच कम से कम 61 संगोष्ठी या वार्ता हुई। इनमें से कुछ सरकार द्वारा शुरू किए गए और मुख्य कार्यकारी जॉन ली के नेतृत्व में थे, जैसे कि सिविल सेवा ब्यूरो द्वारा आयोजित चार सत्र। इन विभिन्न आयोजनों में विभिन्न रैंकों के 1,270 से अधिक सिविल सेवकों ने भाग लिया। दर्जनों अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जहां किंडरगार्टन उम्र के बच्चों और प्राथमिक विद्यार्थियों ने भी इन कार्यक्रमों में भाग लिया। राजनीतिक वैज्ञानिक इवान चॉय ने कहा कि यह सब इंगित करता है कि हांगकांग अपने सभी बीजिंग समर्थक संगठनों के साथ चीन के नक्शेकदम पर अधिक बारीकी से चल रहा है।

# मंकीपॉक्स के खतरे के बावजूद कम नहीं हुई भारतीयों की विदेश यात्रा की मांग

**कतर:** मंकीपॉक्स के वैश्विक खतरे के बावजूद भी भारतीयों की विदेश यात्रा की मांग कम होने का नाम नहीं ले रही है। हवाई यात्रा की ऊंची कीमतों के बाद भी लाखों की संख्या में भारतीय यात्री ऑनलाइन ट्रैवल प्लेटफॉर्म पर जुटे हुए हैं और एयरलाइनों को विदेशी बुकिंग में तेजी देखने को मिल रही है। अधिकारियों और उद्योग पर नजर रखने वालों ने कहा कि भारतीय वाहक कंपनियां अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में पूर्व कोविड के समय की तरह यात्रियों की बड़ी संख्या का अनुभव कर रहे हैं। बाजार की हिस्सेदारी के हिसाब से भारत का सबसे बड़ा वाहक इंडिगो मध्य पूर्व के लिए अपनी उड़ानों में दो साल से अधिक समय पहले की तुलना में बहुत अधिक सीटें भर रहा है। विस्तारा भी अपनी कुछ उड़ानों में यात्री भार घटक को 80 प्रतिशत तक बढ़ा रहा है। कतर टूरिज्म की प्रवक्ता देविका निझावन ने कहा कि अरब राष्ट्र द्वारा आयोजित फीफा विश्व कप में चार महीने से भी कम समय बचा है, जिसके लिए भारत की प्रतिक्रिया अविश्वसनीय रही है।उन्होंने कहा कि हम फीफा विश्व कप के लिए 1 मिलियन से अधिक पर्यटकों की उम्मीद कर रहे हैं, और हमें उम्मीद है कि भारत सबसे महत्वपूर्ण योगदानकर्ताओं में से एक होगा। हम गति बनाए रखने और भारतीय यात्रियों की क्षमता को पूरी तरह से अनलॉक करने के अपने प्रयासों में तेजी लाने के लिए तत्पर हैं। कतर ने 2019-2021 से दोहरे अंकों की वृद्धि के साथ भारत से आगंतुकों के आगमन में लगातार वृद्धि देखी है और भारत की रैंकिंग उच्चतम स्रोत बाजार के रूप में हुई है।

एक जानकार ने कहा कि सिंगापुर की यात्रा की मांग भी अधिक है क्योंकि दक्षिण पूर्व एशियाई देश ने प्रवेश मानदंडों में ढील दी है। इस वर्ष की पहली छमाही में सिंगापुर को मिले 1.5 मिलियन आगंतुकों में से भारतीयों ने दूसरे सबसे बड़े समूह का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें 219,000 से अधिक देश का दौरा कर रहे थे। सिंगापुर टूरिज्म बोर्ड में भारत मध्य पूर्व, दक्षिण एशिया और अफ्रीका के क्षेत्रीय निदेशक जीबी श्रीथर ने कहा कि जुलाई संख्या संतोषजनक थी और द्वीप को भारत से अच्छे आगंतुक संख्या प्राप्त हो रही है। उन्होंने कहा कि चांगी हवाई अड्डा पहले से ही भारत की पूर्व-कोविड उड़ान क्षमता के लगभग 70 प्रतिशत की बहाली देख रहा है, जिसमें 180 से अधिक साप्ताहिक सेवाएं शामिल हैं।

राष्ट्रमंडल खेल

# मीरबाई चानू के बाद जेरेमी लालरिनुंगा ने रचा स्वर्णिम इतिहास, भारत को दिलाया दूसरा गोल्ड

बर्मिंघम (एजेंसी)।

वेटलिफ्टिंग में भारत के जेरेमी लालरिनुंगा ने गोल्ड मेडल जीत लिया है। भारत की झोली में दूसरा गोल्ड आ चुका है। उनसे पहले महिलाओं में मीराबाई चानू ने गोल्ड जीता था। वेटलिफ्टिंग में भारत का यह पांचवा पदक है। बता दें कि उन्होंने पहले प्रयास में 136 किलो वजन उठाया।

दूसरे प्रयास में जेरेमी ने 140 किलो भार उठाया।तीसरे प्रयास में उन्होंने 143 किलो उठाने की कोशिश की, लेकिन वह नाकाम रहे। इस तरह स्नैच राउंड में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 140 किलो रहा। जेरेमी क्लीन एंड जर्क के तीसरे प्रयास में 165 किग्रा भार उठाना चाह रहे थे, लेकिन वह नाकाम रहे। चोटिल होने के कारण उनका कुल स्कोर 300 रहा।

## महिला मुक्केबाज निकहत जरीन ने क्वार्टरफाइनल में किया प्रवेश

बर्मिंघम। (एजेंसी)।

विश्व चैम्पियन मुक्केबाज निकहत जरीन ने मोजाम्बिक की हेलेना इस्माइल बागाओ को हराकर महिलाओं के लाइटवेट 50 किग्रा वर्ग के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। जरीन ने शुरू से ही मुकाबले में दबदबा बनाया और उनकी युवा प्रतिद्वंद्वी कहीं भी उनकी बराबरी नहीं कर सकी।

भारतीय मुक्केबाज ने अपने अपार अनुभव की बदौलत बायें और दायें मुक्कों के संयोजन का बखूबी इस्तेमाल कर प्रतिद्वंद्वी मुक्केबाज को पस्त किया। अंतिम राउंड में जरीन ने दमदार मुक्के सीधे हेलेना के मुंह पर लगे जिससे वह पूरी तरह हिल गयीं जिसके बाद रैफरी ने 48 सेकेंड पहले ही मुकाबला रोक दिया।

जरीन का सामना अब क्वार्टरफाइनल में राष्ट्रमंडल खेलों की मौजूदा कांस्य पदक विजेता न्यूजीलैंड की ट्राय गार्टन से होगा जिसमें जीत से वह पोडियम स्थान में पहुंच जाएंगी।

## श्रीहरि नटराज ने 50 मीटर बैकस्ट्रोक सेमीफाइनल के लिये क्वालीफाई किया

बर्मिंघम। (एजेंसी)।

भारतीय तैराक श्रीहरि नटराज ने रविवार को यहां 25.52 सेकेंड का समय निकालकर 22वें राष्ट्रमंडल खेलों की पुरूषों की 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा के सेमीफाइनल के लिये क्वालीफाई किया। बेंगलुरू का यह 21 वर्षीय तैराक अपनी हीट में दूसरे और कुल आठवें स्थान पर रहा।

पुरूषों की 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 24.40 सेकेंड का है जो उन्होंने पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात में हुई 15वीं फिना विश्व तैराकी चैम्पियनशिप के दौरान हासिल किया था। नटराज 100 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में सातवें स्थान पर रहे थे। पुरूषों की 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में साजन प्रकाश 1:58.99 सेकेंड से चौथे स्थान पर रहे और उन्हें रिजर्व सूची में रखा गया। सर्वश्रेष्ठ आठ तैराक पुरूषों की 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा के फाइनल में जगह बनायेंगे।

## भारतीय महिलाओं ने पाकिस्तान को 8 विकेट से रौंदा,

### मंधाना ने खेली 63 रनों की तूफानी पारी

बर्मिंघम। (एजेंसी)।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में भारतीय महिला टीम ने रविवार को अपनी चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 8 विकेट से हरा दिया। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। ऐसे में भारतीय गेंदबाजों ने पाकिस्तान को 99 रन पर ऑलआउट कर दिया। इस दौरान पाकिस्तान की मुनीबा अली ने 32 रनों की सर्वाधिक पारी खेली। उनके अलावा आलिया रियाज ने 18 और कप्तान बिस्माह मरूफ ने 17 रन का योगदान दिया।

### मंधाना ने जड़ा अर्धशतक

स्मृति मंधाना ने तूफानी पारी खेलते हुए पाकिस्तान की रणनीति पर पानी फेर दिया और चारों दिशाओं में आक्रामक शॉट खेले। स्मृति मंधाना ने 42 गेंद में 63 रनों की नाबाद पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 150 के औसत से रन बनाए। जिसमें 8 चौके और 3 छक्के शामिल हैं।

स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा के बीच पहले विकेट के लिए 61 रन की पार्टनरशिप हुई। उसके बाद सबभिनेनी मेघना ने तीन नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए स्मृति मंधाना का बखूबी साथ दिया। हालांकि सबभिनेनी मेघना 14 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं।

### भारतीय गेंदबाज चमके

भारतीय गेंदबाजों के सामने पाकिस्तानी खिलाड़ी टिक नहीं पाए और टीम ताश के पत्तों की तरह ढह गई। स्नेह राणा ने चार ओवर में 15 रन और राधा यादव ने तीन ओवर में 18 रन देकर 2-2 विकेट चटकाए। जबकि रेणुका सिंह ने अपना स्वप्निल स्पैल डाला, उन्होंने मेडन ओवर से शुरूआत की जो क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में दुर्लभ होता है। रेणुका सिंह, मेघना सिंह और शेफाली वर्मा ने एक-एक झटका।

## साइकिलिंग पुरुष स्प्रिंट स्पर्धा के प्री क्वार्टर फाइनल में हारे रोनाल्डो

बर्मिंघम। (एजेंसी)।

भारत के शीर्ष साइकिलिस्ट रोनाल्डो लेइतोनजैम को रविवार को यहां राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुष स्प्रिंट स्पर्धा के प्री क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू ग्लेट्जर के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा। 20 साल के रोनाल्डो ने 200 मीटर की दूरी के लिए 10.011 सेकेंड का समय लिया जो ग्लेट्जर से 0.162 सेकेंड अधिक था।

रोनाल्डो इससे पहले ली वैली वेलो पार्क में क्वालीफाइंग दौर में 10.012 सेकेंड के समय के साथ 13वें स्थान पर रहे थे। क्वालीफाइंग दौर में रोनाल्डो के टीम के साथी डेविड बैकहम (10.120 सेकेंड) और एसो एल्बेन (10.361 सेकेंड) क्रमशः 18वें और 23वें स्थान पर रहे। रोनाल्डो ने जून में नई दिल्ली में एशियाई ट्रैक चैंपियनशिप में सीनियर वर्ग में स्प्रिंट स्पर्धा का रजत पदक जीता था।

## राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस: गत चैंपियन भारतीय महिला टीम बाहर

**बर्मिंघम।** स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा की अगुआई वाली भारतीय टीम शनिवार को यहां क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के खिलाफ 2-3 की शिकस्त के साथ राष्ट्रमंडल खेलों की महिला टेबल टेनिस टीम स्पर्धा से बाहर हो गई। शनिवार को ग्रुप चरण के मैच में आसान जीत दर्ज करने के बाद भारतीय महिला टीम को अंतिम आठ के मुकाबलों में मलेशिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। मनिका ने एक एकल मैच जीता जबकि दूसरा गंवाया। रीथ टेनिसन और श्रीजा अकुला की महिला युगल जोड़ी को पहले मैच में 1-3 (7-11 6-11 11-5 6-11) से शिकस्त का सामना करना पड़ा जिससे भारतीय टीम शुरुआत में ही बैकफुट पर आ गई। मनिका ने हालांकि कड़े एकल मुकाबले में यिंग हो को 3-2 (11-8 11-5 8-11 9-11 11-3) से हराकर भारत को बराबरी दिला दी। अकुला ने इसके बाद युगल की हार की भरपाई करते हुए दूसरे एकल में ली सियान एलिस चैंग को 3-0 (11-6 11-6 11-9) से हराकर भारत को 2-1 से आगे किया। मनिका ने हालांकि केरेन लाइन के खिलाफ 0-3 (6-11 3-11 9-11) की शिकस्त के साथमलेशिया को बराबरी हासिल करने का मौका दे दिया। मलेशिया ने इस लय का फायदा उठाया और यिंग हो ने टेनिसन को निर्णायक मुकाबले में 3-2 (10-12 11-8 6-11 11-9 11-9) से हराकर भारतीय टीम को बाहर का रास्ता दिखा दिया।

## धवन की कप्तानी में जिम्बाब्वे जाएगी भारतीय टीम, विराट शामिल नहीं

**नई दिल्ली।** शिखर धवन की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए जिम्बाब्वे जाएगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 18-22 अगस्त तक होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम की घोषणा कर दी है। इस सीरीज के लिए नियमित कप्तान रोहित शर्मा को आराम दिया गया है। इस दौरे विराट और रोहित के अलावा लोकेश राहुल, ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह को भी आराम दिया गया है। विराट लंबे समय से फार्म में नहीं हैं। हाल के इंग्लैंड दौरे के लिए भी वह असफल रहे थे। माना जा रहा है कि विराट अब अगले महीने होने वाले एशिया कप से वापसी कर सकते हैं और इसके संकेत उन्होंने चयनकर्ताओं को दे दिये हैं। अनुभवी खिलाड़ियों को आगे के व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए इस दौरे के लिए आराम दिया गया है क्योंकि इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप भी है। टीम में वापसी करने वाले खिलाड़ियों में ऑफ स्पिनर वाशिंगटन सुंदर और दीपक चाहर हैं। सुंदर ने लंकाशायर के लिए इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में खेला है जबकि तेज गेंदाज दीपक चाहर ने एनसीए में अभ्यास करने के साथ ही प्रशिक्षण भी लिया है।

## वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी20 में भी जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

बासेटेरे (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम सोमवार को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबले में वेस्टइंडीज पर जीत के इरादे से उतरेगी। पहले टी20 मैच में जीत से भारतीय टीम उत्साहित है और सीरीज में 1-0 से आगे है। अब भारतीय टीम का लक्ष्य अपनी बढ़त को 2-0 करना है। आगामी टी20 विश्वकप को देखते हुए ही यह सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है। ऐसे में दोनो ही टीमों का लक्ष्य इसमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। इस मैच में भी भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है क्योंकि शुरुआती मैच में टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो ही में हावी रही। वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरुआती टी20 मैच में दोनों देशों के बीच खेल के हर विभाग में बड़ा अंतर दर्ज किया गया।

भारतीय टीम के पास कप्तान रोहित शर्मा के अलावा ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन और रवि बिश्नोई जैसे खिलाड़ी हैं। इसके अलावा बल्लेबाजी में टीम के पास सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन, श्रेयस अय्यर और दीपक हुड्डा जैसे खिलाड़ी हैं। पिछले मैच में सूर्यकुमार ने पारी की शुरुआत की थी।

गेंदबाजी में तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने शुरुआती टी20 अंतरराष्ट्रीय में बेहतरीन गेंदबाजी की थी जिसे वह इस मैच में भी बनाये रखना चाहेगी। पंजाब के इस 23 साल के गेंदबाज ने अपने चार ओवर के स्पैल में कहीं भी ढिलाई नहीं बरती। अर्शदीप ने पहले मैच में मेजबान टीम को खेलने का अवसर नहीं देते हुए शुरुआती ओवरों में शॉर्ट गेंद और वॉर्कर का प्रयोग किया था।

पिछले मैच में रोहित शर्मा ने 44 गेंद में 64 रन बनाये थे पर भारतीय मध्यक्रम विफल रहा था हालांकि अंतिम ओवरों में दिनेश कार्तिक ने मैच विजेता पारी खेली। अब दूसरे मैच में मध्यक्रम के बल्लेबाजों को रन बनाने पर ध्यान देना होगा ताकि निचले क्रम पर दबाव न आये।

गेंदबाजी की बात करें तो अश्विन और बिश्नोई ने प्रभावी गेंदबाजी करते हुए मेजबान टीम पर अंकुश लगा दिया। इस मैच में जडेजा, अश्विन और बिश्नोई की जगह पर अक्षर पटेल और कुलदीप यादव को शामिल किये जाने की कम ही संभावना है।

## राष्ट्रमंडल खेल: पहले मैच में घाना से भिड़ेगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम, कप्तान मनप्रीत ने टीम को दी ये सलाह

**बर्मिंघम।** राष्ट्रमंडल खेलों 2022 में भारतीय हॉकी कप्तान मनप्रीत सिंह ने अपनी टीम से आग्रह करते हुए कहा कि किसी भी विरोधी टीम को कम आंकने की गलती नहीं करें। रविवार, 31 जुलाई को भारतीय पुरुष हॉकी टीम पूल बी मैच में घाना के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। पिछले साल भारत ने जर्मनी को हराकर 41 साल बाद ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। साल 2010 और 2014 में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने नई दिल्ली और ग्लासगो में अपना शानदार प्रदर्शन देते हुए सिल्वर मेडल जीता था। घाना के अलावा, ग्रुप बी में भारत का सामना इंग्लैंड, कनाडा और वेल्स से भी होगा। मनप्रीत, जो अपना 300 वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए तैयार है, चाहते है कि उनकी टीम पूरे टूर्नामेंट में अपना ध्यान केंद्रित रखे। मनप्रीत ने खेल से पहले कहा कि इस बार राष्ट्रमंडल खेलों 2022 में हमारा दर्शन 'जूम आउट और जूम इन' जैसा होगा। हमारे कोचों ने हमें जूम आउट यानि की दूर से सोच कर हमें क्या हासिल करना है उस पर विचार करने को कहा है। हम पदक जीतना चाहते हैं, लेकिन हम कैसे हासिल कर सकते हैं इसके लिए पहली चीज जो हमें करनी है, वह यह है कि किसी भी टीम को कम नहीं आंकना है।उन्होंने कहा, 'दूसरा, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम मैच दर मैच अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें और अपने गेम प्लान पर ध्यान दें।' बता दें कि भारत ने 1975 विश्व कप के बाद से घाना का सामना नहीं किया है।

## लीजेंड्स लीग के एक मैच में खेलते नजर आयेंगे गांगुली

मुबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) प्रमुख सौरव गांगुली अब लीजेंड्स लीग क्रिकेट में एक विशेष क्रिकेट मैच खेलते नजर आएंगे। इसकी घोषणा स्वयं गांगुली ने की है। गांगुली ने इंस्टाग्राम पर यह घोषणा करते हुए पुष्टि की कि वह लीजेंड्स लीग क्रिकेट के सीजन 2 में एक विशेष मैच खेलेंगे। हाल ही में लीग ने घोषणा की थी कि आगामी सीजन की मेजबानी भारत में की जाएगी। इस प्रकार भारतीय प्रशंसक सौरव गांगुली इस चैरिटी मैच एक बार फिर से खेलते हुए देख पाएंगे।

गांगुली ने इस मैच के लिए तैयारी भी शुरू कर दी है और वे जिम में पसीना बहाते हुए नजर आएंगे। जिम की अपनी तस्वीरें भी गांगुली ने पोस्ट की हैं और उन्होंने इस पोस्ट में अपने लीजेंड्स लीग क्रिकेट में खेलने की पुष्टि की है और बताया है कि वे इसमें क्यों भाग लेने जा रहे हैं। गांगुली ने लिखा, 'आजादी के अमृत महोत्सव पर वह राशि एकत्र करने के लिए चैरिटी मैच के लिए तैयार होने ट्रेनिंग कर रहे हैं। भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्ष और लीजेंड्स लीग क्रिकेट के शीर्ष दिग्गजों के साथ महिला सशक्तिकरण के लिए लीजेंड्स लीग क्रिकेट में जल्द ही कुछ क्रिकेट गेंदों को खेलना है।'

## शतरंज ओलिम्पियाड - दूसरे दिन भी जीता भारत - पुरुष टीम नें मोलदोवा को तो महिला टीम नें अर्जेन्टीना को दी मात

**मामल्लापुरम।** 44वें शतरंज ओलिम्पियाड में दूसरे दिन भारतीय टीम नें अपने जीत के क्रम को बरकरार रखा और दोनों वर्गों में तीनों टीम एक बार फिर अपना परचम फहराने में कामयाब रही है ।पुरुष वर्ग में भारत की मुख्य टीम नें मोलदोवा को 3.5-.5 के अंतर से पराजित किया आज टीम नें विदित गुजराती को विश्राम दिया और उनकी जगह टीम के शीर्ष खिलाड़ी पेंटाला हरीकृष्णा नें इवान स्चीतों को मात देते हुए टीम को पहली जीत दिलाई ,तीसरे बोर्ड पर एसएल नारायनन नें तो चौथे बोर्ड पर कृष्णन शशिकिरण को लगातार प्रतियोगिता में अपनी दूसरी जीत हासिल की ,हालांकि दूसरे बोर्ड पर भारत के अर्जुन एरिगासी को आन्द्रे माकोवि नें आधा अंक बांटने पर मजबूर कर दिया। भारत की बी टीम नें आज फिर कमाल दिखाया और लगातार दूसरे दिन क्लीन स्वीप से जीत हासिल की टीम के लिए आज गुकेश , प्रग्गानंधा , अधिबन और रौनक नें मुकाबले अपने नाम करते हुए करते हुए एस्टोनिया को 4-0 से हराया जबकि भारत की सी टीम एक मुश्किल मुकाबले में मेक्सिको से 2.5-1.5 से जीतने में कामयाब रही।

## टी10 भले ही ज्यादा मनोरंजक हो, पेशेवर खिलाड़ियों के लिए ठीक नहीं : चैपल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

क्रिकेट के भविष्य पर चिंता व्यक्त करते हुए आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने कहा कि खेल के प्रशासकों के लिये टी10 को उन विकल्पों में शामिल नहीं करना अच्छा होगा जो वे पहले से ही पेश कर रहे हैं। चैपल का मानना है कि क्रिकेट के भविष्य पर सभी के साथ मिलकर होने वाली बहस लंबे समय से बाकी है और खेल के लिये कितने प्रारूप सबसे उपयुक्त हैं, इस पर जल्द से जल्द मजबूत फैसला ले लिया जाना चाहिए।

चैपल ने लिखा, 'इस विषय पर बहस लंबे समय पहले ही हो जानी चाहिए थी। पर अब भी ज्यादा देर नहीं हुई है लेकिन अब प्रारूपों की सूची बढ़ गई है जो महिलाओं के खेल की मजबूती और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से भी हुआ है।' उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ दशकों में खेलने की शैली में बड़ा बदलाव हुआ है और क्रिकेट के भविष्य को लेकर कोई 'ब्लूप्रिंट' भी नहीं है। यह स्थिति वैसी ही है जब 1970 के दशक में वर्ल्ड सीरीज क्रिकेट (डब्ल्यूएससी) के दौरान जितना विद्रोह हुआ था जो वेतन और परिस्थितियों की वजह से था, प्रशासन धीरे धीरे बढ़ रहा है। लेकिन तब 50 ओवर का खेल फला फूला था। अब सुर्खियों में टी20 है, जिसमें टेस्ट क्रिकेट के बारे में कभी कभार ही खिलाड़ी जिक्र करते हैं।'

चैपल ने बेन स्टोक्स के अचानक ही वनडे प्रारूप से संन्यास लेने के फैसले पर भी बात की। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि इसकी उम्मीद नहीं थी लेकिन फिर भी यह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, '50 ओवर का मैच अगर अच्छी तरह खेला जाता है तो यह अच्छा क्रिकेट मैच होता है जो मनोरंजन भी प्रदान करता है। ये आमतौर पर बड़ी उम्र के खिलाड़ियों की भावनायें हैं जो केवल दो ही प्रारूप जानते थे।' चैपल ने कहा, 'मौजूदा खिलाड़ी अकसर विशेष रूप से आईपीएल और आम तौर पर टी20 मैच खेलते हैं इसलिये जब संतुष्टि की बात आती है तो उनकी सूची में यही (टी20) शीर्ष पर होता है।'

उन्होंने कहा, 'इसलिए खेल के भविष्य पर गंभीरता से विचार किये जाने की जरूरत है। इस पर एक दृढ़ फैसला होना चाहिए कि क्रिकेट के लिये कितने प्रारूप सर्वश्रेष्ठ हैं। एक बार इस पर फैसला हो गया तो फिर बस इसकी पुष्टि करने की जरूरत है कि खेल का विकास सुनिश्चित करने के लिये इन प्रारूपों में कैसे आगे बढ़ना चाहिए।' चैपल ने कहा, 'फैसला लेने से पहले क्रिकेट के इतिहास पर भी

नजर डालने की जरूरत है। सीमित ओवर प्रारूप टेस्ट क्रिकेट की कथित बोरियत के कारण आया।'

# लोकसभा-राज्यसभा की सीटों में जनसंख्या अधारित बदलाव की तैयारी, जयराम रमेश ने कही बड़ी बात

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेन्सी)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने कहा कि कई दक्षिणी राज्य जिन्होंने परिवार नियोजन उपायों को सफलतापूर्व लागू किया है, वे 2031 की जनगणना के बाद लोकसभा में सीटों की संख्या में जनसंख्या आधारित परिवर्तनों पर आपत्ति जताएंगे और यह देश के लिए एक बड़ी राजनीतिक चुनौती होगी।

नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसदों के लिए एक ओरिएंटेशन प्रोग्राम में जयराम रमेश ने उच्च सदन की भूमिका और भारतीय लोकतंत्र में इसके योगदान के बारे में बात की।

राज्यसभा के जनसंख्या-आधारित प्रतिनिधित्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिका की सीनेट की तुलना अक्सर राज्यसभा से की जाती है, लेकिन दोनों के बीच बहुत बड़ा अंतर है, क्योंकि जनसंख्या की परवाह किए बिना सभी राज्यों के सीनेट में दो प्रतिनिधि हैं।

रमेश ने कहा, 'जर्मनी के अलावा ऐसा कोई देश नहीं है जहां राज्यों को जनसंख्या के हिसाब से प्रतिनिधित्व दिया जाता हो।' पूर्व केंद्रीय मंत्री ने शनिवार को कहा कि राज्यसभा में जनसंख्या आधारित प्रतिनिधित्व संविधान निर्माताओं द्वारा दी गई एक नई पद्धति है।

उन्होंने कहा, 'देश के सामने सबसे बड़ा मुद्दा यह है कि 2026 में क्या होगा, क्योंकि आशंका है कि दक्षिणी राज्यों केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश ऐसे राज्य हैं जहां जनसंख्या कम होना शुरू हो जाएगा, जबकि उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड, ओडिशा और राजस्थान में जनसंख्या बढ़ेगी।'

रमेश ने कहा, 'अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार एक संशोधन लाई जो कहती है कि 2026 तक कोई परिसीमन नहीं होगा, यानी लोकसभा और राज्यसभा की सीटों की संख्या 2026 तक समान रहेगी और उसके बाद 2031 में पहली जनगणना के अनुसार, सांसदों की संख्या को बदल दिया जाएगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि यह देश के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी क्योंकि भारत के कई दक्षिणी राज्यों, पश्चिमी राज्यों और हिमाचल प्रदेश जैसे कुछ उत्तरी राज्यों में परिवार नियोजन के कदम उठाए गए हैं, लेकिन मध्य भारत, उत्तर प्रदेश,बिहार और ओडिशा में अगले दस वर्षों में जनसंख्या बढ़ेगी। तो लोकसभा और राज्यसभा में इसे कैसे प्रतिबिंबित किया जाए, यह हमारे सामने एक बड़ी राजनीतिक चुनौती है।'

कांग्रेस नेता ने सुझाव दिया कि वर्तमान सरकार संविधान में संशोधन कर सकती है, हालांकि वर्तमान संविधान 2026 के बाद की गई पहली जनगणना के आधार पर परिसीमन की बात करता है।

रमेश ने कहा, 'अब इस सरकार के लिए संशोधन करना संभव है। भले ही केरल, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, जैसे राज्य आपत्ति करें।' उन्होंने कहा, 'पंजाब इससे प्रभावित है। परिवार नियोजन को लागू करने में सफल होने वाले सभी राज्य आपत्ति करेंगे। दक्षिणी राज्यों के सभी मुख्यमंत्रियों ने सार्वजनिक रूप से यह कहा है।'

राज्यसभा को खत्म करने की बात के बारे में पूछे जाने पर रमेश ने कहा कि उनकी पार्टी के एक सदस्य मनीष तिवारी ने एक अखाबर में एक लेख लिखा था जिसमें कहा गया था कि राज्यसभा की क्या जरूरत है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'यह चर्चा चलती रहती है। आज सरकार के पास दोनों सदनों में बहुमत है, लेकिन कई बार सरकार के पास राज्यसभा में बहुमत नहीं होता है, यहां तक कि इस सरकार के पास पहले भी बहुमत नहीं था। जब सरकारों के पास राज्यसभा में बहुमत नहीं होता है तो उन्हें लगता है कि इसे हटा दिया जाना चाहिए, लेकिन यह कितनी गंभीर मामला है, मैं नहीं कह सकता।'

उन्होंने आगे कहा, अगर आप इस सरकार को देकें तो कई वरिष्ठ मंत्री, वित्त मंत्री, वाणिज्य मंत्री राज्यसभा से हैं।

# 'ये मेरा पैसा नहीं है', समय आने पर आप समझ पाएंगे ये किसकी साजिश है : पार्थ चटर्जी

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेन्सी)। करोड़ों रुपये के स्कूल भर्ती घोटाले के केंद्र में रहे बंगाल के मंत्री पार्थ चटर्जी ने रविवार को दावा किया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के दौरान बरामद धन उनका नहीं है, और समय बताएगा कि उनके खिलाफ साजिश'' में कौन शामिल है। मामले में पार्थ चटर्जी को गिरफ्तार किया गया है। चिकित्सा जांच के लिए जोका के ईएसआई अस्पताल ले जाने के बाद जब वह एक वाहन से उतरे और घोटाले के संबंध में सवाल पूछने के लिए जब पत्रकारों ने उनसे संपर्क किया तो चटर्जी ने कहा, पैसा (बरामद रकम) मेरा नहीं है।''

यह पूछे जाने पर कि क्या कोई उनके खिलाफ साजिश कर रहा है, इस पर उन्होंने कहा, समय आने पर आपको पता चल जाएगा।'' चटर्जी ने शुक्रवार को कहा था कि वह एक साजिश का शिकार हुए हैं और तृणमूल कांग्रेस के उन्हें निलंबित करने के फैसले पर नाखुशी व्यक्त की थी। उन्होंने कहा, यह फैसला (मुझे निलंबित करने का) निष्पक्ष जांच को प्रभावित कर सकता है...।''

कभी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के करीबी माने जाने वाले चटर्जी ने उन्हें मंत्रालय से हटाने के कदम के बारे में कहा, उनका (बनर्जी का) फैसला सही है।'' 69 वर्षीय चटर्जी को विभिन्न विभागों के प्रभारी मंत्री के रूप में उनके कर्तव्यों से मुक्त कर दिया गया और बृहस्पतिवार को टीएमसी से निलंबित कर दिया गया। उन्हें पार्टी के सभी पदों से भी हटा दिया गया है। उनकी एक करीबी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी को भी ईडी ने शहर के कुछ हिस्सों में उनके आवासों से करोड़ों रुपये नकद जब्त करने के बाद गिरफ्तार किया है। टीएमसी नेतृत्व ने उनकी टिप्पणियों पर आपत्ति जताते हुए कहा कि चटर्जी खुद ही अपनी नियति के लिए जिम्मेदार हैं।

टीएमसी के प्रदेश महासचिव कुणाल घोष ने बृहस्पतिवार को कहा था, गिरफ्तारी के बाद पिछले कुछ दिनों से वह चुप क्यों थे? उन्हें अदालत का दरवाजा खटखटाने और अपनी बेगुनाही साबित करने का पूरा अधिकार है। पार्टी का इस घोटाले से कोई लेना-देना नहीं है।'' कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग की सिफारिशों पर समूह-सी और-डी कर्मचारियों के साथ-साथ सरकार प्रायोजित और सहायता प्राप्त स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती में कथित अनियमितताओं की जांच कर रही है।

# संसदीय समिति ने गोवा की समान नागरिक संहिता की समीक्षा की

पणजी, 31 जुलाई (एजेन्सी)। एक संसदीय समिति ने गोवा के समान नागरिक संहिता की समीक्षा की है और इसके कुछ सदस्यों को लगता है कि इसमें विवाह से जुड़े कुछ अजीबोगरीब और पुराने प्रावधान हैं। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी।

गोवा नागरिक संहिता, नागरिक कानूनों का एक समूह है जो तटीय राज्य के सभी निवासियों को उनके धर्म और जातीयता के बावजूद नियंत्रित करता है। देशभर में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के आह्वान के बीच यह चर्चाओं में आया है।

गोवा नागरिक संहिता के विभिन्न सकारात्मक पहलुओं का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने पहले कहा था कि यह देश में यूसीसी को लागू करने के लिए एक मॉडल हो सकता है।

उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे कई भाजपा शासित राज्य यूसीसी को लागू करने के अपने इरादे जाहिर कर चुके हैं। भाजपा सांसद सुशील कुमार मोदी की अध्यक्षता में कानून और कार्मिक संबंधी संसदीय स्थायी समिति के सदस्यों ने जून में गोवा का दौरा किया और इसकी समान नागरिक संहिता का अध्ययन और समीक्षा की।

सूत्रों ने कहा कि समिति के पास कुछ इस तरह के प्रश्न थे कि कैसे गोवा में नागरिक संहिता को लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों ने सवालों का जवाब दिया। सूत्रों ने कहा कि यह देखा गया है कि राज्य के अधिकांश लोग 'इससे काफी खुश और संतुष्ट' हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि विवाह और संपत्ति के बंटवारे संबंधी कानूनों में कुछ अजीबोगरीब धाराएं थीं, जो पुरानी थीं और समानता के सिद्धांत पर आधारित नहीं थीं।

समान नागरिक संहिता, भाजपा के वैचारिक एजेंडे में प्रमुखता से शामिल है और पार्टी ने 2014 और 2019 के संसदीय चुनावों में इस पर वादे किए थे।

इससे पहले केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने राज्यसभा में एक सवाल का लिखित जवाब देते हुए कहा कि सरकार ने विधि आयोग से इस मामले में विभिन्न मुद्दों की जांच करने और सिफारिशें करने को कहा है।

यूसीसी विवाह, तलाक, गोद लेने, उत्तराधिकार जैसे व्यक्तिगत मामलों को नियंत्रित करने वाले कानूनों के एक सामान्य समूह को संदर्भित करता है, जो सभी नागरिकों पर उनके धर्म, जाति और लिंग बावजूद लागू होगा।

# भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुका है झारखंड, भ्रष्टाचार छिपाने के लिए बीजेपी पर आरोप मढ़ रही कांग्रेस : सैयद जफर इस्लाम

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेन्सी)। झारखंड से कांग्रेस के तीन विधायकों की भारी मात्रा में नकदी के साथ पश्चिम बंगाल में गिरफ्तारी के बाद भाजपा-कांग्रेस के बीच जुबानी तकरार बढ़ती जा रही है। कांग्रेस ने भाजपा पर आरोप लगाया कि यह सब राज्य में सरकार को अस्थिर करने के लिए किया जा रहा है। इसके बाद भाजपा ने रविवार को उस पर पलटवार किया। पार्टी ने आरोप लगाया कि यह राज्य भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है।

कांग्रेस के आरोपों को खारिज करते हुए भाजपा प्रवक्ता सैयद जफर इस्लाम ने कहा कि अपने विधायकों के भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए कांग्रेस हम पर दोष मढ़ रही है। उनके पास इस अपराध के लिए कोई स्पष्टीकरण नहीं है। ऐसे में वह भाजपा पर आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस में लगभग हर कोई भ्रष्टाचार में लिप्त है। फिर चाहे वह बड़ा नेता हो या छोटा।

इस्लाम ने कहा कि पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से संबंधित अधिकारियों को संदिग्ध भ्रष्टाचार के मामले में पकड़ा गया। अब कांग्रेस के तीन विधायकों को भारी मात्रा में नकदी के साथ हावड़ा में पकड़ा गया। कांग्रेस की सच्चाई एक बार फिर सामने आ गई है। झारखंड में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार है। राज्य सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त है।

इससे पहले बंगाल पुलिस ने शनिवार रात हावड़ा के रानीहाटी में एनएच-16 पर कांग्रेस के तीन विधायकों को रोका था। उनके वाहन से भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई थी। इनकी पहचान इरफान अंसारी, राजेश कच्छप और नमन बिक्सल कोंगरी के रूप में हुई। पुलिस ने रविवार दोपहर बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट ने उन्हें 10 दिन की हिरासत में भेज दिया है। इसके अलावा कांग्रेस ने इसके बाद तीनों विधायकों को निलंबित कर दिया। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह झारखंड की गठबंधन सरकार को गिराने की कोशिश कर रही है।

भाजपा ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था को संभालने वाले लिए गए फैसले सही निकले हैं। भाजपा प्रवक्ता सैय्यद जफर इस्लाम ने कहा कि सरकार के आलोचक भी उनकी नीतियों की तारीफ कर रहे हैं। यह टिप्पणी उस बयान पर आई है, जिसमें आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा कि भारत उस तरह की परेशानियों का सामना नहीं कर रहा है, जिसने श्रीलंका और पाकिस्तान को प्रभावित किया है। उनके मुताबिक, भारत के पास पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार है और उसका विदेशी कर्ज भी कम है। यह बातें उन्होंने शनिवार को रायपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में कही थीं। प्रवक्ता इस्लाम ने कहा, दुनिया ने माना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था न केवल पटरी पर है, बल्कि तेज गति से भी चल रही है। वहीं दुनिया मुद्रास्फीति और अन्य विपरीत परिस्थितियों से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि जो लोग हमारी आलोचना करते थे, उन्होंने उसे प्रशंसा में बदल दिया है। दरअसल, पूर्व गवर्नर राजन पहले भारत सरकार की आर्थिक और सामाजिक नीतियों के बारे में कई बार चिंता जता चुके हैं।

# औवैसी ने अजित डोभाल पर साधा निशाना, कट्टरता पर पूछा सवाल

जयपुर, 31 जुलाई (एजेन्सी)। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल पर निशाना साधा है। जयपुर में मीडिया से बात करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार को बताना चाहिए कि कट्टरता कौन फैला रहा है। कट्टर कौन है। उनके नाम डोभाल को बताना चाहिए। ओवैसी ने एक बार फिर दोहराया कि उदयपुर की घटना गहलोत सरकार की विफलता है। कन्हैया लाल टेलर ने अपनी जान का खतरा बताते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। लेकिन पुलिस ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। एक सवाल के जवाब में ओवैसी ने कहा कि उन्हें इंद्रेश कुमार से देशभक्ति का सर्टिफिकेट नहीं चाहिए। इंद्रेश कुमार को बतान चाहिए संघ की शाखाओं में शपथ संविधान की ली जाती है या फिर किसी और पर। जनता को बताना चाहिए कि उस शपथ में क्या पढ़ा जाता है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में अजित डोभाल ने कहा कि पीएफआई जैसे संगठन देश के लिए खतरा है।

दरअसल, ओवेसी आज जयपुर में टॉक जर्नलिज्म के फाइलन सेशन में शामिल होने के लिए जयपुर आए थे। सेशन में भाकपा नेता ए राजा और विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी मुख्य वक्ता थे। जयपुर प्रवास के दौरान ओवैसी ने पार्टी पदाधिकारियों संग विधानसभा चुनाव 2023 की रणनीति पर भी मंथन किया। अपने समर्थकों संग ओवैसी ने चर्चा की। उल्लेखनीय है कि ओवैसी पहले ही घोषणा कर चुके है कि उनकी पार्टी राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 का चुनाव लड़ेगी। ऐसे में ओवैसी का राजस्थान दौरा काफी अहम माना गया है। क्योंकि राजस्थान में 11 से 12ज मुस्लिम आबादी है। परंपरागत तौर कांग्रेस का वोट बैंक रहा है, लेकिन राजस्थान की सियासत में ओवैसी की एंट्री से विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के समीकरण बिगड़ सकते है। करीब दो महीने पहले ओवैसी ने राजस्थान का दौरा किया था। ओवैसी का दो महीने बाद राजस्थान आना साफ संकेत देता है कि वह पार्टी का संगठन खड़ा करेंगे।

दो महीने पहले ओवैसी ने जयपुर में मीडिया से बात करते हुए कहा कि उनकी पार्टी राजस्थान में संगठन खड़ा करेगी। अभी छह सदस्यों की कोर कमेटी बनाई जाएगी। राजस्थान में सदस्यता अभियान राजस्थान में चलाया जाएगा। कई जगहों पर जनसभाएं आयोजित की जाएंगी। उसके बाद प्रदेश में एक मजबूत एआईएमईएम का संगठन खड़ा किया जाएगा। राजस्थान में हारने या जीतने नहीं बल्कि लीडरशिप पैदा करने आ रहे हैं। ओवैसी ने कहा कि हमारी पार्टी की राज्य इकाई राजस्थान में मुस्लिम और दलित समुदायों पर ध्यान केंद्रित करेगी। हमारी तैयारी जोरों पर है और हम समुदाय के लोगों के साथ बैठक कर रहे हैं। वह आगे बोले कि वर्तमान में मुसलमानों का एक स्वतंत्र नेतृत्व बनाने की जरूरत है। हमारी पार्टी राज्य में इस समुदाय के लोगों की आवाजों को एक मंच देगी।

# शरद पवार का राज्यपाल कोश्यारी पर पलटवार, बोले- उनकी टोपी और दिल के रंग में ज्यादा अंतर नहीं

मुंबई, 31 जुलाई (एजेन्सी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष शरद पवार ने मुंबई को देश की वित्तीय राजधानी बनाने में गुजरातियों और राजस्थानियों की भूमिका पर महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी की टिप्पणियों के लिए हमला किया और कहा कि उनकी टोपी और दिल के रंग में बहुत अंतर नहीं हैं।

उत्तराखंड के रहे वाले भगत सिंह कोश्यारी ज्यादातर काले रंग की 'टोपी' पहने हुए नजर आते हैं। कोश्यारी ने शुक्रवार को यहां अंधेरी में एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा था, 'मैं यहां के लोगों से कहता हूं कि अगर महाराष्ट्र से गुजरातियों और राजस्थानियों को हटा दिया जाता है, खासकर मुंबई और टाणे से, तो आपके पास पैसे नहीं रहेंगे और मुंबई वित्तीय राजधानी नहीं होगी।'

यहां से करीब 325 किलोमीटर दूर धुले में शनिवार की शाम पत्रकारों से बात करते हुए राकांपा प्रमुख ने कहा, 'कोश्यारी की टोपी और दिल के रंग में ज्यादा अंतर नहीं है।' पवार ने कहा, 'महाराष्ट्र ने सभी धर्मों, जातियों, भाषाओं आदि के लोगों को साथ लिया है। मुंबई की प्रगति आम नागरिकों की कड़ी मेहनत के कारण हुई है। कोश्यारी ने पहले समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

# कांग्रेस ने झारखंड के 3 विधायकों को किया सस्पेंड

रांची, 31 जुलाई (एजेन्सी)। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में बड़ी मात्रा में कैश के साथ पकड़े गये झारखंड के तीन कांग्रेस विधायकों डॉ इरफान अंसारी, नमन विक्सल कोंगाड़ी और राजेश कच्छप को पार्टी ने सस्पेंड कर दिया है।

झारखंड कांग्रेस के प्रभारी और पार्टी के केंद्रीय महासचिव अविनाश पांडेय ने यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि तीनों विधायकों पर लगे आरोपों के मद्देनजर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने यह फैसला लिया है।

इस बीच कांग्रेस के बेरमो क्षेत्र के विधायक अनूप सिंह ने रविवार सुबह 11 बजे इन तीनों विधायकों के खिलाफ रांची के अरगोड़ा थाने में राज्य की सरकार को गिराने की साजिश के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई।

बता दें कि शनिवार की देर शाम झारखंड के तीन कांग्रेस विधायकों डॉ इरफान अंसारी, राजेश कच्छप और नमन विक्सल कोंगाड़ी को पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिला अंतर्गत पंचला थाना के रानी हाट में नोटों के बैग के साथ पकड़ा गया था। देर रात नोटों की गिनती हुई तो कुल रकम 48 लाख रुपये पायी गयी। ये तीनों विधायक दो अन्य सहयोगियों के साथ एक एसयूवी में जा रहे थे।

पश्चिम बंगाल की पुलिस ने खुफिया इनपुट के आधार पर इन्हें चेकिंग के दौरान पकड़ा। इस एसयूवी पर झारखंड के जामताड़ा विधायक का बोर्ड लगा था। खबर है कि पुलिस हिरासत में लिये गये तीनों विधायक गाड़ी से मिले कैश के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं दे सके।

झारखंड कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम ने कहा कि कांग्रेस संविधान की परंपरा है कि पार्टी के कोई भी विधायक अगर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल पाये जाते हैं, तो उन्हें तत्काल ही सस्पेंड कर दिया जाता है। संविधान के नियम के तहत ही तीनों विधायकों को सस्पेंड किया गया है। अब पूरे मामले की छानबीन की जा रही है। उनसे भी पूछताछ की जायेगी। जांच में जो भी बात सामने आएगी, पार्टी आगे उसी स्तर पर कार्रवाई करेगी।

इधर कांग्रेस के एक अन्य विधायक अनूप सिंह की शिकायत है कि ये तीनों विधायक झारखंड की सरकार को गिराने की साजिश में लिप्त हैं। पश्चिम बंगाल में भारी मात्रा में कैश के साथ पकड़े जाने से यह साफ हो गया है कि पैसों की बदौलत सरकार को गिराने की साजिश की जा रही है। उन्होंने रांची के अरगोड़ा थाने में इस बाबत लिखित तहरीर दी है, जिसके आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली गयी है। एफआईआर दर्ज कराने पहुंचे विधायक अनूप सिंह के साथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर भी थे।

# 2024 में पीएम मोदी के नेतृत्व में लोकसभा चुनाव लड़ेगी बीजेपी

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ेगी। पार्टी महासचिव अरुण सिंह ने बिहार में कार्यकारिणी की बैठक में यह कहा। अरुण सिंह ने कहा कि 2024 का लोकसभा का चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। इसके अलावा 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव भी पीएम मोदी के नेतृत्व में लड़ेंगे।

बता दें कि 2013 में नरेंद्र मोदी को भाजपा ने प्रधानमंत्री का चेहरा बनाया था। भारतीय जनता पार्टी ने 2014 के लोकसभा चुनाव में अप्रत्याशित जीत दर्ज करते हुए करीब 30 साल बाद बहुमत के साथ केंद्र में सरकार बनाई थी। पांच साल बाद 2019 में एक बार फिर भाजपा ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ते हुए दूसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com